जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, गुरुवार 13 अगस्त, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

युवा शक्ति को अवसर राजस्थान को नई उड़ान

निष्पक्ष, पारदर्शी और पेपर लीक रहित भर्तियां

रोजगार, कौशल विकास, भर्ती, स्टार्टअप और नवाचार के माध्यम से युवाओं के सशक्त भविष्य का निर्माण

रोजगार एवं भर्ती

- **1 लाख 78 हजार सरकारी पदों पर नियुक्तियां**
- 51,427 अभ्यर्थियों की परीक्षा पूर्ण- भर्ती प्रक्रियाधीन
- 81,023 पदों पर भर्तियों की परीक्षा
- 70,031 पदों पर भर्ती की तैयारी

कौशल विकास एवं शिक्षा

- **3.58 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण**
- 76 नए राजकीय महाविद्यालय स्थापित
- **88,724 विद्यार्थियों को टैबलेट/लैपटॉप वितरण**
- 42,509 युवाओं को मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना का लाभ

टेक्नोलॉजी एवं भविष्य

- राजस्थान AI-ML पॉलिसी लागू
- AVGC-XR पॉलिसी से एनीमेशन, गेमिंग और डिजिटल रोजगार को बढ़ावा
- Rajasthan Digi Fest 2026 का सफल आयोजन

खेल एवं युवा सशक्तिकरण

- खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का सफल आयोजन
- मुख्यमंत्री स्पोर्ट्सपर्सन बीमा योजना लागू
- राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम (RTOP) योजना शुरू

पारदर्शी भर्ती

- भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए एसआईटी का गठन
- **569 आरोपियों की गिरफ्तारी, 157 एफआईआर दर्ज**
- 410 भर्ती परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित

युवा कल्याण

- Rajasthan Coaching Centres (Control & Regulation) Bill लागू
- **माय भारत पोर्टल पर 19.40 लाख से अधिक युवा पंजीकृत, देश में दूसरा स्थान**

उच्च शिक्षा एवं अवसर

- **PRIME योजना से मेधावी विद्यार्थियों को रिसर्च और इंटर्नशिप के अवसर**
- Apprenticeship Embedded Degree Program (AEDP) शुरू
- EV, Renewable Energy, BFSI, HR और Tourism जैसे नए रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम शुरू

स्टार्टअप एवं नवाचार

- राज्य में स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 8,780
- **स्टार्टअप निवेश ₹250 करोड़ से बढ़कर ₹1,054 करोड़**
- 9 इंक्यूबेशन सेंटर और 65 लॉन्चपैड स्थापित
- **1,062 स्टार्टअप्स को ₹33.94 करोड़ की फंडिंग**

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

हर चीज़ की कीमत व्यक्ति की जेब और ज़रूरत के अनुसार होती है और शायद उसी के अनुसार वह अच्छी या बुरी होती है। –संतोष गोयल

स्कूलों में नामांकन बढ़ना राजस्थान की बड़ी उपलब्धि

राजस्थान ही क्या यह समूचे शिक्षा क्षेत्र के लिए सकारात्मक खबर मानी जानी चाहिए कि सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ने के सार्थक प्रयास हुए है। राजस्थान के शिक्षा क्षेत्र से यह उत्साहजनक उपलब्धि मानी जानी चाहिए कि राज्य के सरकारी स्कूलों में पिछले पांच साल की तुलना में इस साल बच्चों के नामांकन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। इसका श्रेय निश्चित रुप से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी सरकार को जाता है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि पिछले सालों में सरकारी स्कूलों में नामांकन कम होने का ट्रेंड रहा है और यह बार–बार कहा जाता रहा है कि सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का मोह भंग होता जा रहा है। सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था और शैक्षणिक माहौल को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। हालात तो यहां तक है कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की कार्यशैली को लेकर प्रतिपक्ष और यहां तक कतिपय शिक्षक संघों द्वारा भी सवाल उठाये जाते रहे हैं पर यह शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और उनकी स्कूल शिक्षा से उच्च स्तर से लेकर गांव देहात तक के स्कूलों से जुड़ी टीम को जाता है कि सरकारी स्कूलों में नामांकन के स्तर में बदलाव आया है। गत वर्ष 2025–26 की तुलना में इस शैक्षणिक सत्र में 48 हजार से अधिक नामांकन हुए हैं। तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि लड़कों की तुलना में लड़कियों का अधिक नामांकन हुआ है। इससे यह साफ हो जाता है कि राजस्थान में शैक्षणिक माहौल निश्चित रुप से पहले की तुलना में बेहतर हुआ है और प्रदेशवासियों का सरकारी स्कूलों के प्रति विश्वास जमा है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की यह खासियत है कि वे बिना किसी आलोचना की परवाह किये अपने एजेण्डे पर काम करते हैं। आलोचना या किसी से डरना उनके जेहन में हैं ही नहीं। इसके साथ ही बेबाक होना उनकी विशेषता रही है। बेबाकी होने के कारण ही वे प्रतिपक्ष या अपने विरोधियों के निशाने पर रहते हैं पर एक खास बात यह है कि उनकी जितनी ज्यादा आलोचना होती है उससे अधिक बेहतर परिणाम सामने आते हैं। स्कूली शिक्षा का नामांकन इसका उदाहरण है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस साल सरकारी स्कूलों में 7298854 विद्यार्थियों के नामांकन हुए हैं। जबकि इससे पहले के साल में 7250495 नामांकन हुए थे। पिछले पांच सालों के आंकड़ों पर नजर ड़ाली जाए तो यह सर्वाधिक है। खासबात यह है कि नामांकन का यह आंकड़ा बांसवाड़ा, उदयपुर, सिरोही, जालौर और बाड़मेर में अधिक बढ़ा है। हांलाकि कई जिलों में नामांकन में कमी आई है पर सुदूर और आदिवासी व रेगिस्तानी जिलों में स्कूलों में नामांकन बढ़ना बड़ी उपलब्धि मानी जानी चाहिए। फिर समग्र रुप से भी नामांकन में बढ़ोतरी हुई है।

> **शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की यह खासियत है कि वे बिना किसी आलोचना की परवाह किये अपने एजेण्डे पर काम करते हैं। आलोचना या किसी से डरना उनके जेहन में हैं ही नहीं। इसके साथ ही बेबाक होना उनकी विशेषता रही है। बेबाकी होने के कारण ही वे प्रतिपक्ष या अपने विरोधियों के निशाने पर रहते हैं पर एक खास बात यह है कि उनकी जितनी ज्यादा आलोचना होती है उससे अधिक बेहतर परिणाम सामने आते हैं।**

इससे एक बात साफ हो गई है कि यदि ईच्छा शक्ति हो तो परिणाम सकारात्मक ही आते हैं। स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के योजनाबद्ध प्रयास किये गये। राजस्थान शिक्षा सेतु अभियान के तहत प्रयास किये गये और इसके लिए शिक्षकों और प्राचार्यों की भी भूमिका तय की गई है। यह अभियान भी दो चरणों में चलाया गया। पहले चरण का अभियान 15 अगस्त को पूरा होने जा रहा है तो 16 अगस्त से 30 सितंबर दूसरे चरण का अभियान चलेगा। अभियान के दौरान स्कूल टीचर और प्राचार्यों की सहभागिता तय की गई है। वे अपने क्षेत्र में कोई भी बच्चा नामांकन से शेष नहीं रहे इसका प्रयास करेंगे। सीधे संवाद कायम करेंगे और बालक–बालिकाओं का यदि अभी तक नामांकन नहीं हुआ है तो नामांकन सुनिश्चित करायेंगे। सरकार के इस सोच के पीछे भी सकारत्मिकता है। इससे दो लाभ होने तय है। एक तो इलाके के निवासियों और स्कूल के अध्यापकों व प्राचार्यों की आपसी सहभागिता बढ़ेगी। लोगों में स्कूली शिक्षा व्यवस्था के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होगी तो दूसरी और बच्चे नामांकन से वंचित नहीं रहेंगे। इसके अलावा स्कूल प्रबंधन और इलाके के नागरिकों में सौहार्द पूर्ण माहौल बनने से समन्वित विकास भी होगा। शिक्षा व्यवस्था को लेकर नकारात्मकता समाप्त होगी और इसके परिणाम भी अच्छे ही प्राप्त होंगे।

अब नामांकन बढ़ोतरी के साथ ही नई चुनौतियों को भी नहीं नकारा जा सकता। सबसे बड़ी चुनौती ड्रॉपआउट को लेकर है। सरकार को इसके प्रति गंभीर होना होगा और बीच सत्र के स्कूल छोड़ने के हालात नहीं होने देने हैं। बीच सत्र स्कूल छोड़ने का स्तर शून्य तक लाना होगा और इसके लिए ग्रामीणों और शिक्षकों दोनों को ही प्रयास करने होंगे। दूसरा स्कूल की शिक्षा के स्तर को बनाये रखने की जिम्मेदारी शिक्षकों को निभानी होगी। आज सुविधाओं और साधनों की कोई कोरकसर सरकार द्वारा नहीं छोड़ी जाती तो शिक्षकों को भी लोगों में शिक्षा और शैक्षणिक माहौल के प्रति आमजन में विश्वास जमाना होगा। विद्यार्थियों के लिए जो भी सरकारी सहयोग सुलभ कराया जाता है उसका लाभ बच्चों तक पहुंचना चाहिए। इसके साथ ही सभी को ईमानदारी से अपने दायित्व को निभाने का संकल्प लेना होगा। नामांकन बढ़ना निश्चित रुप से उपलब्धि है और इसे बनाये रखने के प्रयास जारी रखने होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 13 अगस्त, 2026

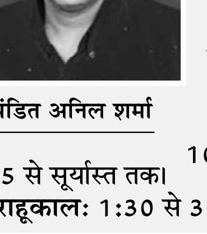

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, आश्लेषा नक्षत्र प्रातः 6:07 तक, वारियान योग दिन 12:16 तक, किस्तुघ्न करण प्रातः 9:54 तक, चन्द्रमा प्रातः 6:07 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–मिथुन, बुध–कर्क, गुरू–कर्क, शुक्र–कन्या, शनि–मीन राहु–कुम्भ, केतु–सिंह आज से नक्त व्रत आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:39 तक, लाभ–अमृत 10:54 से 12:32 तक, लाभ–अमृत 12:32 से 3:47 तक, शुभ 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:01, सूर्यास्त 7:02

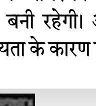

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आज आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

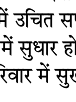

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

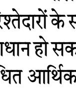

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक परेशानी दूर होने लगेगी।

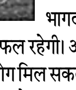

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आज मानसिक तनाव दूर होने लगेगा। मनःस्थिति में सुधार होगा।

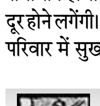

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी।

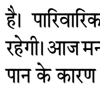

कन्या
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

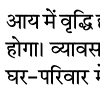

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

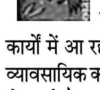

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। आज आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

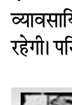

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में आपसी मतभेद हो सकते हैं।

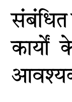

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

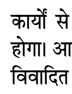

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित योजना का क्रियान्वयन होगा। आज आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

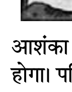

मीन
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। आज व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस : श्रीअरविन्द का प्रथम स्वप्न और अखंड भारत-बोध

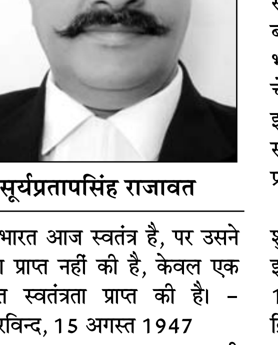

सूर्यप्रतापसिंह राजावत

भारत आज स्वतंत्र है, पर उसने एकता प्राप्त नहीं की है, केवल एक खंडित स्वतंत्रता प्राप्त की है। – श्रीअरविन्द, 15 अगस्त 1947

15 अगस्त 1947 भारत की स्वतंत्रता का दिन था और श्रीअरविन्द का 75वाँ जन्मदिवस भी। इस ऐतिहासिक अवसर पर अपने प्रसिद्ध संदेश में उन्होंने अपने पाँच स्वप्नों का उल्लेख किया। उनका प्रथम स्वप्न था–भारत की स्वतंत्रता और एकता। उन्होंने स्वतंत्रता का स्वागत किया, किंतु विभाजन को भारत की अंतिम नियति नहीं माना। उनका विश्वास था कि विभाजन समाप्त होना चाहिए और भारत की एकता पुनः स्थापित होनी चाहिए। इसीलिए विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस केवल 1947 की त्रासदी का स्मरण नहीं, बल्कि भारत की एकता पर पुनर्विचार का अवसर भी है।

विभाजन की पीड़ा समझने के लिए श्रीअरविन्द का राष्ट्र–बोध महत्वपूर्ण है। वे पूछते हैं–राष्ट्र क्या है? हमारी जन्मभूमि क्या है? उनके लिए राष्ट्र जमीन का टुकड़ा, कोई नाम अथवा मन की कल्पना नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की सम्मिलित जीवंत शक्ति है जिनसे राष्ट्र बनता है। इस दृष्टि से 1947 में केवल भूमि नहीं बँटी; भारत की सभ्यतागत चेतना को भी गहरा आघात पहुँचा। इसलिए अखंडता का प्रश्न भूगोल के साथ भारत–बोध की अखंडता का भी प्रश्न है।

विभाजन की कहानी 1947 से शुरू नहीं होती। 1942 का क्रिप्स मिशन इसका महत्वपूर्ण पड़ाव था। 31 मार्च 1942 को श्रीअरविन्द ने सर स्टैफर्ड क्रिप्स को संदेश भेजकर उनके प्रस्तावों का स्वागत किया। उन्होंने भारतीय नेतृत्व से इन्हें बातचीत का आधार बनाने का आग्रह किया तथा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सी. राजगोपालाचारी तक अपना दृष्टिकोण पहुँचाने का प्रयास किया। श्रीअरविन्द स्वतंत्रता के साथ भारत की भावी एकता और सुरक्षा को भी देख रहे थे। क्रिप्स मिशन विफल हो गया। इसलिए इतिहास में प्रश्न बना हुआ है–क्या 1942 में भारत ने ऐसा अवसर खो दिया जिससे विभाजन को टालने की संभावना बन सकती थी? इसे निश्चित निष्कर्ष के बजाय गंभीर ऐतिहासिक प्रश्न के रूप में देखना उचित है।

1946 का नोआखली आने वाली विभीषिका की भयावह चेतावनी था। इसलिए विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का उद्देश्य किसी वर्तमान समुदाय के विरुद्ध आक्रोश उत्पन्न करना नहीं, बल्कि उस विभाजनकारी मानसिकता को पहचानना और अस्वीकार करना है जो भारतीय को भारतीय के विरुद्ध खड़ा करती है।

वीर सावरकर के दो राष्ट्र संबंधी विचारों और पाकिस्तान की माँग के बीच अंतर करना आवश्यक है। हिंदू और मुसलमानों को अलग राजनीतिक–सांस्कृतिक राष्ट्र मानने संबंधी उनके कथन को सीधे भारत के भौगोलिक विभाजन की माँग नहीं माना जा सकता। सावरकर पाकिस्तान निर्माण और भारत के क्षेत्रीय विखंडन के विरोधी थे। अतः दो राष्ट्रों की अवधारणा और पाकिस्तान की माँग समान नहीं थीं। यह अंतर विभाजन के इतिहास को निष्पक्ष रूप से समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने पाकिस्तान के प्रश्न का विश्लेषण कठोर राजनीतिक यथार्थ के आधार पर किया। उनका महत्वपूर्ण प्रश्न था–यदि धर्म के आधार पर देश विभाजित होता है तो दोनों ओर रहने वाले अल्पसंख्यकों का भविष्य क्या होगा? उन्होंने जनसंख्या के हस्तांतरण के विकल्प पर भी गंभीरता से विचार किया। मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग ने दो–राष्ट्र सिद्धांत को पाकिस्तान की माँग का राजनीतिक आधार बनाया। किंतु प्रश्न है–क्या पाकिस्तान बनने से राष्ट्रीय पहचान और सांप्रदायिक विभाजन की समस्या समाप्त हो गई?

श्रीअरविन्द ने हिंदू–मुस्लिम प्रश्न को केवल राजनीतिक सत्ता–संघर्ष नहीं माना। उनके अनुसार वास्तविक समस्या दो ऐतिहासिक सभ्यताओं के संबंध की भी थी। उन्होंने इसके दो संभावित समाधान देखे–एक उच्चतर आध्यात्मिक सिद्धांत, जो दोनों में समन्वय स्थापित करे; अथवा ऐसी राजनीतिक देशभक्ति, जो धार्मिक संघर्ष से ऊपर उठकर दोनों समुदायों को राष्ट्रीय चेतना में बाँध दे। यह विचार विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को वर्तमान से जोड़ता है–विभाजन को याद करने का उद्देश्य नया विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि उन कारणों को पहचानना है जिन्होंने भारत को विभाजित किया।

मध्यकालीन इतिहास को केवल हिंदू बनाम मुस्लिम के सरल द्वंद्व में नहीं बाँटा जा सकता। मुस्लिम समाज के भीतर भी दो धाराएँ थीं–समन्वय और पृथकता। एक ओर अकबर और दारा शिकोह जैसे व्यक्तित्व थे, दूसरी ओर धार्मिक पृथकता पर जोर देने वाली शक्तियाँ।

दारा शिकोह ने उपनिषदों का फारसी अनुवाद कराया और मज्मा–उल–बहरैन–दो समुद्रों का संगम–में हिंदू और इस्लामी आध्यात्मिक परंपराओं के बीच संवाद खोजा। इसलिए दारा भारतीय सभ्यतागत समन्वय के महत्वपूर्ण प्रतीक बनते हैं। इसके विपरीत औरंगजेब से जुड़ी ऐतिहासिक स्मृति का एक पक्ष धार्मिक रूढ़िवाद से संबंधित है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस प्रतिशोध का नहीं, स्मृति, आत्ममंथन और राष्ट्रीय संकल्प का दिवस है। विभाजन की सबसे बड़ी शिक्षा है कि सांप्रदायिक पृथकतावाद, अविश्वास और राजनीतिक विखंडन की अंतिम कीमत सामान्य मनुष्य चुकाता है। अखंड भारत को इसलिए केवल भूगोल की पुनर्कल्पना नहीं समझना चाहिए। वह सबसे पहले अखंड भारत–बोध की पुनर्स्थापना है–एक ऐसी चेतना जिसमें विविधता हो लेकिन विखंडन नहीं, धार्मिक आस्था हो लेकिन पृथकतावाद नहीं और इतिहास की स्मृति हो लेकिन प्रतिशोध नहीं। इसी अर्थ में कहा जा सकता है–भारत–बोध में दारा शिकोह की समन्वयकारी चेतना का पुनर्जागरण और औरंगजेबी असहिष्णुता की प्रवृत्ति का निष्कासन आवश्यक है। 15 अगस्त 1947 को विभाजन की पीड़ा के बीच श्रीअरविन्द ने निराशा नहीं, भविष्य का स्वप्न दिया–स्वतंत्र और पुनः एक भारत का स्वप्न। अतः विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस (14 अगस्त) का संकल्प होना चाहिए–विभाजन को स्मरण करें, विभीषिका से सीखें, पृथकतावादी मानसिकता को अस्वीकार करें और भारत की सभ्यतागत एकता को सुदृढ़ करें। विभाजन इतिहास की पीड़ा है; अखंड भारत–बोध भविष्य का संकल्प।

सूर्यप्रतापसिंह राजावत
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर।

15 अगस्त के विभिन्न प्रधानमंत्री के भाषण के प्रमुख अंश

डॉ. जे. के. गर्ग

स्वतंत्रता दिवस भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि यह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अंत और स्वतंत्रता और स्वशासन के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस पर देश के प्रधानमंत्रियों के लाल किले से दिए गए भाषणों के प्रमुख अंशों में जवाहरलाल नेहरू का "ट्रिस्ट विद डेस्टिनी", इंदिरा गांधी के सुरक्षा व आत्मनिर्भरता संबंधी संदेश, और नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प शामिल हैं।

पंडित जवाहरलाल नेहरू (1947) मुख्य अंशः–"जब दुनिया सो रही होगी, तब भारत जीवन और स्वतंत्रता के लिए जागेगा।"संदेशः यह एक ऐतिहासिक क्षण था जब औपनिवेशिक शासन का अंत हुआ और एक नए युग की शुरुआत का संकल्प लिया गया।

15 अगस्त को शास्त्री के भाषण के प्रमुख अंश–प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने स्वतंत्रता दिवस पर देश को संबोधित करते हुए आत्म–निर्भरता, कृषि को प्राथमिकता और राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया था। उनके भाषण के मुख्य बिंदु देश की सुरक्षा और आर्थिक मजबूती पर केंद्रित थे।

प्रमुख अंश और संदेश देश की रक्षा और सम्मानः– "हम रहें या न रहें, लेकिन हमारा देश मजबूत रहना चाहिए"

कृषि और खाद्यान्नः–चौथे पंचवर्षीय योजना में कृषि विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई, ताकि देश अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बन सके। महंगाई और आर्थिक अनुशासनः बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और घाटे की वित्त व्यवस्था से बचने का संकल्प लिया गया।

सामूहिक एकताः–देश के नागरिकों से मिलकर देश की कठिनाइयों का सामना करने और पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने की अपील की गई। लाल किले की प्राचीर से लाल बहादुर शास्त्री ने पाकिस्तान को ललकारा, जय जवान जय किसान . अनाज की बचत के लिए उन्होंने सप्ताह में एक दिन उपवास करने की अपील की थी।

इंदिरा गांधी (विभिन्न वर्ष)मुख्य अंशः–राष्ट्रीय अखंडता, एकता और देश की संप्रभुता की रक्षा पर सबसे अधिक जोर। संदेशः देश के आंतरिक और बाहरी खतरों के खिलाफ मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और आत्मनिर्भरता का आव्हान।

गरीबों और कमजोर वर्ग का उत्थानः– उनके भाषणों में समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति की मदद करने की प्रतिबद्धता झलकती थी। उन्होंने कहा था कि यदि भारत के गरीब मजबूत होंगे, तो पूरा देश मजबूत होगा।

शांति और शक्तिः– उन्होंने स्पष्ट किया था कि भारत एक शांतिप्रिय देश है, लेकिन शांति का अर्थ कमजोरी नहीं है। शांति को बनाए रखने के लिए आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति की आवश्यकता होती है।

युवाओं और भविष्य के प्रति अपेक्षाएं : – उन्होंने बच्चों और युवा पीढ़ी को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें समान अवसर देने और देश निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान किया था। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 15 अगस्त को जनता से राष्ट्र की एकता को कमजोर करने वाली विघटनकारी शक्तियों के सामने दृढ़ रहने का आव्हान किया। इंदिरा गांधी जनता को शांति और सद्भाव पर भाषण देती हैं। श्रीमती गांधी भारत और उसके पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के बीच संबंधों को बढ़ाने पर जोर दिया !

मोरारी जी देसाई के भाषण के मुख्य अंश–प्रधानमंत्री के रूप में मोरारजी देसाई ने 15 अगस्त (विशेषकर 1977 और 1978 में) लाल किले से राष्ट्र को संबोधित किया था। उनके भाषण के मुख्य बिंदुओं में लोकतंत्र की बहाली, जनता की निर्भरता, और देश की अटूट एकता शामिल थे। 15 अगस्त को राजीव गांधी के भाषण के प्रमुख अंश––––पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर लाल किले से अपने भाषणों में देश की एकता, लोकतंत्र की मजबूती, तकनीकी विकास और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़े कदम उठाने पर जोर दिया था।

कआर्थिक सुधारों का जिक्रः–देश की कठिन आर्थिक स्थिति और उदारीकरण के फैसलों को मजबूती से सामने रखा।

सुरक्षा और आतंकवादः–पड़ोसी देश पाकिस्तान को लाल किले से कड़ी चेतावनी दी। उदारीकरण के रास्ते खोलने वाले नरसिम्हा राव के सामने एक ऐसा गंभीर संकट आया कि वह मंदिर–मस्जिद के मामलों में उलझ गए।

देवगौड़ा जीके भाषण के प्रमुख अंश–अगस्त 1996 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा ने भाषण में मुख्य रूप से भारतीय लोकतंत्र की मजबूती, आम न्यूनतम कार्यक्रम और सामाजिक न्याय पर जोर दिया।

प्रधान मंत्री इन्द्र कुमार गुजराल के भाषण के प्रमुख अंश :– 15 अगस्त 1997 को भारत की आजादी की 50वीं वर्षगांठ पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल ने देश को संबोधित किया। उनके भाषण के मुख्य अंश विविधता में एकता पर जोर, गांधीवादी मूल्यों को अपनाना, और देश के आर्थिक विकास व युवाओं की शक्ति पर आधारित थे।

अटल बिहारी वाजपेयी (1999) मुख्य अंश :– पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लाल किले की प्राचीर से अपने स्वतंत्रता दिवस (विशेषकर 1998, 1999, 2001 और 2003) के संबोधनों में देश की सुरक्षा, शांति, और विकास पर जोर दिया।

विचार शांति और संवाद की पहलः––––"हमें लड़ते–लड़ते 50 साल हो गए और कितना खून बहाना बाकी है? लड़ना है हम दोनों को गरीबी से, बेरोजगारी से !

"पड़ोसी देशों के साथ संबंधः–––– आतंकवाद को हम समाप्त करके रहेंगे। देश की एकता और अखंडता पर आंच नहीं आने दी जाएगी

विकास और आत्मनिर्भरताः–––––"भारत अब रुकने वाला नहीं है। विज्ञान, तकनीक और हमारे मेहनतकश किसानों–युवाओं के दम पर देश नई ऊंचाइयों को छुएगा ! आज भारत विज्ञान, अंतरिक्ष, खेल, शिक्षा और तकनीकी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है। लेकिन देश की असली ताकत उसके युवा हैं। कारगिल विजय के तुरंत बाद दिया गया यह भाषण देश के शौर्य और अजय विश्वास से भरा था। संदेशः भारत शांति चाहता है लेकिन राष्ट्र की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

15 अगस्त को मनमोहन सिंह के भाषण :– पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने कार्यकाल (2004 से 2013) के दौरान 15 अगस्त को लाल किले से कुल 10 स्वतंत्रता दिवस भाषण दिए। इन भाषण में मुख्य रूप से गरीबी उन्मूलन, आर्थिक विकास, और राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया गया। मनमोहन सिंह ने लाल किले से गिनाईं सरकार की उपलब्धियां, मनमोहन सिंह ने साल 2013 में लाल किले से अपने भाषण में भारत को "गरीबी, भूख, बीमारी और अज्ञानता" से मुक्त करने की बात कही।

नरेंद्र मोदी (2014 – वर्तमान) मुख्य अंशः–"प्रधान सेवक" के रूप में शुरुआत, स्वच्छ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, पंच प्रण, और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप।

संदेशः– सबका साथ, सबका विकास, भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, और स्वदेशी तकनीक पर बल।

–डॉ.जे.के.गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर।

जंतर मंतर बनाम राँची

राजेन्द्र भाणावत

गत दो माह में दो बड़े छात्र आंदोलन देश में हुए हैं। पहला 20 जून से 25 जुलाई, 2026 तक कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर मंतर पर चला। यह आंदोलन परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने तथा एन टी ए द्वारा आयोजित अन्य परीक्षाओं में धांधलियों के विरोध में हुआ। बाद में इसमें शिक्षा व्यवस्था को ठीक करने की मांग भी जुड़ गई। छात्रों की प्रमुख माँग यही थी कि पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था की असफलता के कारण शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद छोड़ना चाहिए। इस आंदोलन में प्रमुख शिक्षा विद, वैज्ञानिक और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ अन्य छात्र छात्राएं अनशन पर बैठे। जब 20 जुलाई को छात्रों ने संसद की ओर मार्च करने की घोषणा की तो पुलिस ने बलपूर्वक वांगचुक को जंतर मंतर से उठाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। इसी दौरान छात्रों पर बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया, आंसू गैस छोड़ी गई जिसके फलस्वरूप अनेक छात्र और पुलिस कर्मी घायल हुए। 25 जुलाई को केंद्रीय मंत्रियों और सी जे पी के नेताओं के बीच वार्ता हुई, जिसके बाद धर्मेन्द्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया, जिसकी माँग प्रारंभ से ही छात्र कर रहे थे।

जिस दिन जंतर मंतर का आंदोलन समाप्त हुआ, उसी दिन यानि 25 जलाई को झारखंड के छात्र छात्राओं का आंदोलन राँची में प्रारंभ हुआ। यह आंदोलन झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा समय पर भर्ती नहीं होने तथा पेपर लीक और अन्य धांधलियों के विरुद्ध था ,जिसके कारण झारखंड के प्रतिभाशाली युवक वहाँ की सरकारी नौकरी प्राप्त नहीं कर पा रहे थे। इस आंदोलन में भी देवेंद्र महतो के नेतृत्व में कुछ छात्र आमरण अनशन पर बैठे। इस आंदोलन को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् का समर्थन प्राप्त था। छात्रों की माँग थी कि झे पी एस सी की छह प्रतियोगी परीक्षाएं रद्द की जाएं। झारखंड सरकार के तीन मंत्रियों ने आंदोलनकारी छात्रों से दो बार बात की और चार परीक्षाएं रद्द कर दी गईं। यह उल्लेखनीय है कि झे पी एस सी द्वारा 2015 में विज्ञापित रिक्त पदों पर 11 साल में भी भर्ती नहीं हो पाई।

दोनों आन्दोलनों की समानता की बात तो हो गई। दोनों आन्दोलन परीक्षाओं की गड़बड़, पेपर लीक, पक्षपात आदि के विरुद्ध था। अब यह देखना भी उपयुक्त होगा कि जंतर मंतर और राँची के आंदोलनों के प्रति सरकारों, विपक्षी दलों और मीडिया के रुख में क्या अंतर था? पहले सरकार के रुख की बात करें। जंतरमंतर के आन्दोलनकारियों को सरकार ,सत्ताधारी दल के नेताओं, मंत्रियों ने आतंकवादी, विदेशी पैसे से पोषित, अर्बन नक्सल आदि तक बताया। छात्रों को बहुत बदनाम किया गया। एक महीने तक सरकार इसका संज्ञान ही नहीं लिया। झारखंड सरकार ने ऐसा कुछ नहीं किया। कुछ ही दिनों में झारखंड सरकार के तीन मंत्रियों ने आंदोलनकारी छात्रों से बात की और उनकी 98 माँगें मान लीं। झे पी एस सी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्य सचिव ख्यांगते हटाकर उसे गिरफ्तार किया गया।

जंतर मंतर में पुलिस ने आंदोलन में शामिल होने वाले लोगों की सभी मूल सुविधाएं तक बंद कर दी थीं। अनशन स्थल तक खाना भी नहीं लाने दिया जा रहा था। 20 जुलाई को पूरी निर्ममता के साथ आंदोलनकारियों पर कील लगी लाठियों से वार किया, छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उन पर पेलेट गन भी चलाई गई। इसके सबूत मीडिया को दिए गए। अरे टी आई में प्राप्त सूचना के अनुसार सरकारी अस्पतालों ने माना कि पेलेट गन से घायल हुए छात्र वहां भर्ती हुए। सरकार, हालांकि इससे इनकार करती रही। आर ए एफ के कई जवान बिना नेम प्लेट के थे। इसके विपरित झारखंड पुलिस ने बलपूर्वक लाठी चार्ज तो किया लेकिन वीडियो के अनुसार पुलिस ने आंदोलनकारी छात्रों को बारिश से बचाने के लिए अपने छातों के नीचे लिया। विपक्षी दलों ने इस आंदोलन को समर्थन दिया और उनके कई नेता जैसे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, डिंपल यादव,टी एम सी की महुआ मोइत्रा भीम पार्टी के चंद्रशेखर आज़ाद मंच पर समर्थन में गए। कई सोशल मीडिया के पत्रकार जैसे योगेंद्र यादव, अजीत अंजुम, रवीशकुमार आदि ने इसे पूरी तरह कवर किया। मुख्य धारा के टी वी चैनलों में से अधिकांश ने इसके बारे में कोई समाचार या रिपोर्ट प्रसारित नहीं की। यूं कहें कि गोदी मीडिया ने इसे पूरी तरह नजरअंदाज किया तो गलत नहीं होगा। राँची के आंदोलन को सी जे पी ने समर्थन दिया लेकिन उसका कोई बड़ा नेता रांची नहीं पहुंचा। सभी राष्ट्रीय चैनलों (गोदी मीडिया) ने इसे दिन भर प्रमुखता से दिखाया।

पुलिस ने कील लगी लाठियों का प्रयोग किया और छात्राओं पर गलत तरह से लाठी का प्रयोग भी किया गया। पैलेट गन के छर्रों से छात्र घायल हुए। लगभग सभी माँगे मान ली जाने और झे पी एस सी के अध्यक्ष द्वारा इस्तीफा दिए जाने और उसे गिरफ्तार करने के बावजूद छात्रों ने 10 अगस्त को विधानसभा में प्रवेश करने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा लाठी चार्ज करके छात्रों को तितर बितर किया गया। रांची के आंदोलनकारी छात्रों के लिए भोजन की व्यवस्था ए बी वी पी ने की जबकि जंतर पर यह व्यवस्था लंगर, जुनैद और साधारण व्यक्तियों ने की। 10 अगस्त पर छात्रों पर लाठी चार्ज के विरोध में बी जे पी ने झारखंड बंद का आ ान किया। जंतर मंतर की घटना के बाद किसी राजनीतिक दल द्वारा इस पकार बंद का आ ान नहीं किया गया, जबकि बर्बरता जंतर मंतर पर अधिक हुई। भाजपा द्वारा बार बार यह कहा गया कि राहुल गांधी और सी जे पी के नेता रांची क्यों नहीं गए? यह उल्लेखनीय है कि झारखंड में झे एम एम की सरकार है जिसमें कांठोस भी भागीदार है। इसके बावजूद राहुल गांधी ने झारखंड के आंदोलन को अपना समर्थन दिया। किसी विपक्षी दल ने इन छात्रों को आतंकवादी या अर्बन नक्सल नहीं बताया न यह कहा कि इसे विदेशों से धन मिला। केंद्र में क्योंकि भाजपा सरकार है, बी जे पी के किसी नेता ने जंतर मंतर के आंदोलन को समर्थन में बयान नहीं दिया। जंतर मंतर पर पुलिस ज़्यादती की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की गई किंतु वह अभी तक बनाई नहीं गई है।

कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि जंतर मंतर और राँची के छात्र आंदोलनों में कई समानताएं होने के बावजूद इनके प्रति मीडिया, सरकार, पुलिस , सत्ता और विपक्षियों के दृष्टिकोण में बहुत अंतर था। राजनीतिक दलों द्वारा दोनों आंदोलनों का लाभ उठाया गया। जंतर मंतर का आंदोलन केवल सोशल मीडिया की बदौलत जनता तक पहुंच पाया। अब स्कूल के छात्र भी सुविधाओं और शिक्षकों की कमी को लेकर आंदोलित होने लगे हैं, जिसके फलस्वरूप प्रशासन आवश्यक कार्यवाही करने हेतु बाध्य हुआ है। यह देश के भविष्य के लिए अच्छा संकेत है। संभव है, इसका असर आगामी चुनावों में भी देखने को मिलेगा। इन दोनों आंदोलनों का एक लाभ अवश्य हुआ कि शिक्षा और बेरोजगारी देश में चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। युवाओं को अपने पक्ष में करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आधी रात को रील बनाकर सोशल मीडिया पर डालनी पड़ी।

राजेन्द्र भाणावत, (पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 283 प्रभात हिण्डौन सिटी, गुरूवार 13 अगस्त, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जो खुद पंजाब में खेमेबाजी में लगे हैं, वो राजस्थान में पार्टी में एकता कैसे लाएंगे?

पंचायत चुनावों से पहले कांग्रेस में सभी को यही चिंता सता रही है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12अगस्त। कांग्रेस के नेताओं ने राजस्थान के प्रभारी एआईसीसी महासचिव एस.एस. रंधावा के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल लिया है। रंधावा जयपुर आने वाले हैं, जहां उन्हें विभिन्न जिलों में आपस में लड़ रहे कांग्रेस नेताओं के बीच एकता कायम करने की कोशिश करनी है।

रंधावा राजस्थान में पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा के पूर्ण समर्थन में है। दोनों जाट हैं और दोनों मिलकर राज्य में दूसरे समुदायों को पीछे धकेल कर जाटों को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रहे हैं।

लेकिन अपने गृह राज्य पंजाब में रंधावा असहमति, गुटबाजी और खींचतान के केन्द्र बन गए हैं और उन्होंने पंजाब के पीसीसी अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है।

राजस्थान के कांग्रेस नेता अब उन पर उंगली उठा रहे हैं और उन्हें पाखंडी बता रहे हैं।

- **चिंता का विशेष कारण यह है कि रंधावा, चूंकि राजस्थान के प्रभारी महासचिव हैं, इसलिए राज्य के पंचायत चुनावों में टिकट वितरण की जिम्मेवारी उन्हीं पर रहेगी।**
- **चर्चा है कि पंजाब में रंधावा, अमित शाह से मुलाकात के बाद चन्नी के साथ मिलकर पंजाब के पीसीसी अध्यक्ष राजा वडिंग के खिलाफ गुटबाजी कर रहे हैं।**
- **यह भी चर्चा थी कि पंजाब में उनके बगावती तेवरों के कारण उन्हें राजस्थान के प्रभारी पद से हटाया जाएगा, पर, ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि उन पर वेणुगोपाल का हाथ है।**

उनका सवाल है कि जब रंधावा खुद राजस्थान और पंजाब, दोनों राज्यों में एक-एक गुट के नेता बने हुए हैं, तो वे कांग्रेस के विभिन्न गुटों के साथ न्याय कैसे कर सकते हैं।

राजस्थान कांग्रेस कई गुटों में बंट चुकी है : अशोक गहलोत, डोटासरा, जूली, सचिन पायलट और इसी तरह के कई अन्य गुट हैं।

सवाल यह उठ रहा है कि क्या राजस्थान में होने वाले महत्वपूर्ण स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट बांटने के मामले में रंधावा सभी के साथ न्याय कर पाएंगे।

नेताओं का कहना है कि पार्टी को मजबूत करने के लिए यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। चूंकि भाजपा हर दिन कमज़ोर होती जा रही है, इसलिए कांग्रेस के पास अच्छा प्रदर्शन करने का मौका है। लेकिन पार्टी नेतृत्व का अभी राज्य के मुद्दों पर ध्यान नहीं है।

रंधावा के पाला बदलने, और कथित तौर पर अमित शाह के कहने पर पीसीसी अध्यक्ष राजा के बजाय चन्नी का साथ देने के बाद, जोरदार चर्चा थी कि उन्हें राजस्थान के प्रभारी पद से हटाया जा सकता है।

लेकिन अगले साल पंजाब में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, तो सवाल यह है कि उनके साथ क्या किया जाएगा?

और इसके अलावा, वेणुगोपाल लगातार उनका बचाव कर रहे हैं।

रंधावा का जयपुर दौरा, जो कल होना था, अब 17 तारीख तक टाल दिया गया है। अब देखना होगा कि क्या वे खुद को एक ऐसे निष्पक्ष और निर्गुट नेता के रूप में पेश कर पाते हैं, जो सिर्फ जाट नहीं, बल्कि कांग्रेस के सभी नेताओं के साथ न्याय कर सके।

टेक इट और लीव इट- शाह

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। लम्बी चुप्पी और दोनों सदनों, लोकसभा तथा राज्यसभा से गायब रहने के बाद, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि वे सदन में आने, बहस में हिस्सा लेने और उनसे पूछे जाने वाले किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं।

यह पेशकश संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन से एक दिन पहले आई है। पूरा सत्र लगभग बेकार चला गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों ही संसद के दोनों सदनों में नहीं आए।

- **वी हैव लैफ्ट इट- राहुल।**
- **गतिरोध वैसे का वैसा बरकरार।**

काफी आलोचना और खराब प्रचार के बाद, अमित शाह जाहिर तौर पर इस धारणा को बदलने की कोशिश कर रहे हैं कि गृह मंत्री डरे हुए हैं और छात्रों पर पैलैट गन चलाने का आदेश किसने दिया, इस सवाल पर विपक्ष के हमले का सामना नहीं करना चाहते।

सवाल वही हैं, लेकिन उनके जवाब नहीं हैं।

राहुल गांधी ने इस पेशकश को नज़रअंदाज़ कर दिया है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष और देश को किसी भाषण की जरूरत नहीं है।

वे पहले सवाल का जवाब चाहते हैं और उसके बाद बहस।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रहस्यमय ढंग से आरोप लगे और रहस्यमय ढंग से हट गए

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के जज ने गौतम अडानी को बरी करते हुए कहा, अमेरिकी अभियोजक अपराध साबित करने में विफल रहे और सरकार ने खुद अडानी के खिलाफ मामला खत्म कर दिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। अमेरिका के एक फैडरल कोर्ट ने भारतीय अरबपति गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी के खिलाफ आरोप वापस ले लिए हैं। विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, छह अन्य लोगों के खिलाफ आरोप भी हटाए जा रहे हैं। ये आरोप जितने अचानक लगाए गए थे, उतने ही अचानक वापस ले लिए गए।

न्यायाधीश ने एक तरह से स्वीकार किया कि अमेरिकी अभियोजक सुनवाई के दौरान अपराध साबित करने में विफल रहे और फैडरल सरकार ने खुद अडानी के खिलाफ मामला खत्म करने का फैसला किया। अदालत ने शुरुआती तौर पर यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी सरकारी एजेंसियां अडानी के खिलाफ मुकदमा इसलिए वापस नहीं ले रही थीं, क्योंकि वे अमेरिका में 10 अरब डॉलर के निवेश का वादा कर रहे थे।

आरोप हटाए जाने के बाद अडानी अब अमेरिका में अपने लंबे समय से रुके प्रस्तावों को आगे बढ़ा सकेंगे।

- **अदालत ने यह भी स्वीकार किया कि सरकारी एजेंसियों ने इसलिए अडानी के खिलाफ अभियोजन आगे नहीं बढ़ाया, क्योंकि वे अमेरिका में दस बिलियन डॉलर की पूँजी लगाने वाले हैं और इसीलिए उनके पक्ष में निर्णय दिया गया है।**
- **न्याय विभाग ने यह भी कहा कि यह मामला ''नाम खराब करने और शर्मिंदा करने'' की कोशिश थी। यह भारतीय कॉरपोरेट जगत की कुछ बड़ी कंपनियों को बदनाम करने की किसी बड़ी चाल का हिस्सा हो सकता है।**

अडानी के खिलाफ मामला नवंबर 2024 में पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के अंतिम दिनों में शुरू किया गया था।

इस मामले से यह बात बहुत साफ तौर पर सामने आई कि किसी न्यायिक प्रणाली के अधिकार क्षेत्र से बाहर की गतिविधियों से जुड़े आरोपों वाले केस को आगे बढ़ाना कितना मुश्किल होता है। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपियों ने कभी भी सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अदालत में अपना पक्ष नहीं रखा। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश ने यह भी कहा कि उनके ऐसा करने की संभावना भी नहीं थी।

मुख्य आरोप यह था कि अडानी 20 करोड़ डॉलर से अधिक की एक बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना हासिल करने के लिए भारत सरकार के अधिकारियों को भारी रिश्वत देने की योजना बना रहे थे। हालांकि, सरकारी वकील सुनवाई के दौरान रिश्वत के वास्तविक भुगतान को कभी साबित नहीं कर पाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने एफसीआर बिल पारित कराने के लिए जेपीसी का रास्ता चुना

सरकार ने विदेशी फंडिंग के नियमन को कठोर बनाने के लिए यह संशोधन किया और इसके लिए वह हितधारकों की चिंताओं और राजनैतिक प्रभावों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12अगस्त। मोदी सरकार द्वारा फॉरेन कॉन्ट्रीब्यूशन (रेग्युलेशन) अमैंडमैंट बिल (विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक), 2026 को जॉइन्ट पार्लियामैंट्री कमेटी (जेपीसी) के पास भेजने का फैसला इस बात का संकेत है कि सरकार विदेशी फंडिंग के नियमन को और कड़ा करते हुए, संसदीय गतिरोध, हितधारकों की चिंताओं और राजनीतिक प्रभावों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है।

25 मार्च, 2026 को लोकसभा में पेश किए गए इस विधेयक का उद्देश्य मुख्य रूप से एफसीआरए, 2010 में संशोधन करना है। इसके तहत, एक निर्दिष्ट प्राधिकरण (डेज़िग्नेटेड अथॉरिटी) गठित करने का प्रस्ताव है, जो किसी संगठन का पंजीकरण रद्द होने, स्वेच्छा से वापस लिए जाने या उसकी अवधि समाप्त होने की स्थिति में विदेशी अंशदान और उससे बनाई गई संपत्तियों का प्रबंधन तथा निपटान करेगा।

- **सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा, पारदर्शिता और विदेशी धन प्राप्त करने वाली संस्थाओं पर कड़ी निगरानी को विधेयक का मुख्य आधार बताया है।**
- **विपक्षी दलों का आरोप है कि यह विधेयक गैर सरकारी संगठनों, अल्पसंख्यक संस्थानों को निशाना बनाने के लिए लाया गया है।**

सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य उन प्रशासनिक खामियों को दूर करना है, जिनके कारण अनिश्चितता और संभावित दुरुपयोग की स्थिति पैदा होती है। इसके तहत, संपत्तियों को अस्थायी रूप से सरकार के अधिकार में रखने और संगठन का पंजीकरण दोबारा बहाल होने पर उन्हें वापस करने का प्रावधान होगा। साथ ही, पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र को सुरक्षित रखने और, समुदाय या विचारधारा की परवाह किए बिना, सभी संगठनों पर नियम समान रूप से लागू करने की बात कही गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस ने पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ बनाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12अगस्त। ''बार एंड बेंच'' की रिपोर्ट के अनुसार, ''ग्लोबल आर्बिट्रेशन रिव्यू'' ने बताया है कि भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ एक इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन ट्रिब्यूनल में रुस का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह ट्रिब्यूनल यूक्रेन के सरकारी बैंक ओशादबैंक द्वारा लाए गए एक विवाद की सुनवाई कर रहा है। यह मामला रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध और सैन्य अभियानों के कारण बैंक के कामकाज

- **यूक्रेन के ओशादबैंक के साथ विवाद पर इंटरनैशनल आर्बिट्रेशन ट्रिब्यूनल में होने वाली सुनवाई में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ को अपना प्रतिनिधि बनाया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टाटा संस के प्रमुख चंद्रशेखरन पद त्याग करेंगे

चंद्रशेखरन ने कहा, उन्होंने यह फैसला इसलिए किया है, क्योंकि कंपनी के एक बोर्ड सदस्य ने उनके कार्यकाल विस्तार का समर्थन नहीं किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आज शेयरधारकों के साथ तनाव और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के साथ अपना कार्यकाल बढ़ाने को लेकर मतभेदों के बीच पद से इस्तीफा दे दिया। चंद्रशेखरन ने अपने बयान में कहा कि अगले साल फरवरी में उनका मौजूदा कार्यकाल खत्म होने पर वे दोबारा नियुक्ति की मांग नहीं करेंगे।

चंद्रशेखरन ने कहा कि उन्होंने पद छोड़ने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि कंपनी के बोर्ड के एक सदस्य ने उनके कार्यकाल को बढ़ाने का समर्थन नहीं किया।

उन्होंने अपने बयान में लिखा, ''सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से मेरे अगले कार्यकाल को पांच साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया था और इसकी सिफारिश की थी। टाटा संस की नॉमिनेशन एण्ड रैमुनरेशन कमेटी तथा बोर्ड ने भी इसे रिकॉर्ड किया और इसकी सिफारिश की। इसके बाद यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस के बोर्ड के सामने रखा गया। लेकिन यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, क्योंकि बोर्ड के एक सदस्य ने इसका समर्थन नहीं किया। सर्वसम्मत समर्थन नहीं मिलने के कारण मैंने इस फैसले को टालने का निर्णय लिया।''

- **चंद्रशेखरन ने कहा कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से मेरे कार्यकाल को 5 साल बढ़ाने का फैसला किया था और टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रैमुनरेशन कमेटी ने भी इसे स्वीकार किया था।**
- **पर, जब 24 फरवरी 2026 को टाटा संस के बोर्ड के समक्ष यह प्रस्ताव रखा गया तो एक सदस्य ने समर्थन नहीं दिया और सर्वसम्मत समर्थन नहीं मिलने से मैंने इसे तब टाल दिया और अब 6 माह बाद भी इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं हुआ है तो मैंने यह निर्णय लिया है।**

चंद्रशेखरन ने कहा कि बोर्ड की बैठक को छह महीने हो चुके हैं, लेकिन अब तक इस मुद्दे का कोई समाधान नहीं निकल पाया है।

उन्होंने कहा, ''टाटा संस एक बहुत बड़ा संस्थान है और कई महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजनाएं इस समय बेहद अहम चरण में हैं। यह जरूरी है कि फरवरी 2027 के बाद समूह का नेतृत्व करने के लिए एक नेता की नियुक्ति हो। साथ ही नेतृत्व को लेकर स्पष्टता कर्मचारियों, निवेशकों, पार्टनर्स और अन्य स्टेक होल्डर्स के लिए भी महत्वपूर्ण है।''

चंद्रशेखरन पिछले 40 वर्षों से टाटा समूह का हिस्सा रहे हैं। वे जनवरी 2017 से टाटा संस और टाटा समूह के चेयरमैन हैं। उन्होंने 1987 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में प्रशिक्षु के रूप में काम शुरू किया और 2009 में कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने। इसके बाद उन्होंने टाटा संस की कमान संभाली।

उन्होंने अपने बयान में कहा, ''मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान में योगदान देने के बेहद संतोषजनक अवसर के लिए आभारी हूं। पिछले एक दशक में टाटा संस का नेतृत्व करना मेरे लिए बड़े सम्मान और गहरी जिम्मेदारी का विषय रहा है।''

अपने उत्तराधिकारी की प्रक्रिया के अगले कदम के बारे में चंद्रशेखरन ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जल्दी आयेगा जंतर मंतर सीजन -2'

नई दिल्ली, 12 अगस्त। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने जंतर-मंतर के सीजन-2 को लेकर बड़ा एलान किया है। उन्होंने लोगों को बताया है कि जंतर-मंतर का सीजन-2 जल्दी ही आएगा।

अभिजीत दीपके ने कहा, बहुत से लोग इंस्टाग्राम पर कमेंट कर रहे थे कि जंतर-मंतर का सीजन 2 कब शुरू होगा। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि जंतर-मंतर का सीजन 2 बहुत जल्द शुरू होने वाला है।

- **कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके ने घोषणा की।**

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया है कि वे लोग उन्हें वॉलंटियर्स मीट के लिए हॉल नहीं मिलने दे रहे। दीपके ने आज बुधवार को कहा कि आज दिल्ली में हमारी वॉलंटियर्स मीट होनी थी, दूर-दूर से हमारी पार्टी से जुड़े लोग आए थे, लेकिन हमारी मीटिंग नहीं होने दी जा रही।

'घर-घर जाके कूड़ा उठाने की टेंडर प्रक्रिया में भारी धांधली!'

राजस्थान हाई कोर्ट ने टेंडर रद्द करने के आदेश दिए

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 12 अगस्त। राजस्थान हाई कोर्ट ने मानसरोवर क्षेत्र में घर -घर जाकर कचरा उठाने के टेंडर के एक मामले में नगर निगम जयपुर के आयुक्त एवं अन्य अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कठोर शब्दों में कहा है कि उन्होंने जिस तरह से एक ही कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए टेंडर की शर्तों में फेर- बदल किया है, वह कानूनी दुर्भावना से किया गया कृत्य था। अदालत ने नगर निगम द्वारा जारी टेंडर को खारिज करने के आदेश दिए है । यह आदेश न्यायाधीश आनंद शर्मा की एकलपीठ ने रवि ट्रेवल्स द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा पैरवी के लिए पेश हुए थे।

इस मामले में याचिकाकर्ता को वर्ष 2024 में मानसरोवर क्षेत्र में घर -घर जाके कचरा उठाने का टेंडर मिला था। उसे यह टेंडर एक वर्ष के लिए मिला था, जिसमें नगर निगम को लगभग 12.85 करोड़ की लागत उठानी थी।

उल्लेखनीय है कि इस मामले के तथ्यों के अनुसार, नगर निगम ने 2025 में पुनः एक टेंडर जारी किया उक्त क्षेत्र से कचरा उठाने के लिए जिसमें नगर निगम द्वारा शर्त रखी गई कि केवल वो ही निविदाकार भाग ले पाएंगे, जिनके पास ऐसी गाड़ियां हो जो कम से कम 900 किलो कूड़ा उठाने का भार उठा सके। शर्त के अनुसार, ये गाड़ियां जनवरी 2024 से पहले की रजिस्टर्ड गाड़ियां नहीं होनी चाहिए और सभी गाड़ियां निविदाकार के नाम पर ही रजिस्टर्ड होनी चाहिए, क्योंकि वर्ष 2025 में ही याचिकाकर्ता ने 18 करोड़ की लागत से 90 नई गाड़ियां खरीदी थी इसलिए वह इस निविदा में भाग लेने के लिए उपयुक्त है । परन्तु हैरानी की बात है कि 20 फरवरी 2026 को नगर निगम ने उक्त टेंडर को रद्द करने के लिए नोटिस जारी कर दिए और कोई कारण भी नहीं बताया । उल्लेखनीय है कि एक महीने बाद ही 12 मार्च 2026 को नगर निगम ने उन्हीं शर्तों के साथ पुनः निविदा आमंत्रित करी। परन्तु दो ही महीने बाद 9 अप्रैल 2026 को इस निविदा को भी रद्द कर दिया और रद्द करते हुए नोटिस में केवल यह जानकारी दी कि निविदा को ''अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है''। तत्पश्चात नगर निगम ने 4 जून 2026 को पुनः एक नई निविदा आमंत्रित की परन्तु इसमें यह शर्त लगा दी कि निविदाकार के पास ऐसी गाड़ियां होनी चाहिए, जिनकी रजिस्ट्री जनवरी 2026 से पहले की न हो।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में कहा गया कि तीसरी निविदा की शर्तों में मनमाने तरीके से फेर- बदल केवल

- **हाई कोर्ट ने कहा कि जिस तरह से निविदा की शर्तों में फेर बदल किया गया है उससे जाहिर है कि एक व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने की कोशिश की गई थी और अन्य निविदाकारों को भाग लेने से वंचित करने का षड़यंत्र भी रचा जा रहा था।**
- **हाई कोर्ट ने आदेश दिए कि जिन शर्तों पर पहले निविदा जारी की गई थी, उन्हीं शर्तों पर निविदा जारी की जाए।**
- **यह मामला मानसरोवर क्षेत्र में घर घर जाके कूड़ा उठाने से सम्बन्धित है।**
- **2025 एवं 2026 में नगर निगम ने निविदा आमंत्रित की, जिसमें याचिकाकर्ता रवि ट्रैवल्स भाग ले चुके थे, परन्तु दोनों निविदाओं को नगर निगम ने अकस्मात ही रद्द कर दिया और 2026 में ही ऐसी निविदा जारी की, जिससे याचिकाकर्ता व अन्य निविदाकार भाग ही न ले सकें। शर्त यह थी कि निविदाकार के पास ऐसी गाड़ी होनी चाहिए, जिसकी रजिस्ट्री केवल 2026 की हो।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऑटो -टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी सीखना अनिवार्य

नई दिल्ली, 12 अगस्त। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में कमर्शियल पैसेंजर ट्रांसपोर्ट चालकों के लिए मराठी भाषा की अनिवार्यता को और सख्त कर दिया है। बुधवार को सरकार ने महाराष्ट्र मोटर वाहन (संशोधन) नियम, 2026 में संशोधन करते हुए कड़े नियमों और दंड का प्रावधान किया है। नए नियमों में

- **सरकार ने महाराष्ट्र मोटर वाहन नियम में संशोधन करते हुए चालकों के लिए मराठी जानना अनिवार्य कर दिया है, भाषा नहीं जानने पर तीन माह तक लाइसैंस रद्द करने का प्रावधान बनाया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झालावाड़ जिले में मूसलाधार बारिश से कई बांध छलके, नदियां उफान पर

कालीसिंध, छापी और राजगढ़ बांधों के गेट खोलकर पानी की निकासी की गई

झालावाड़, (निसं)। जिले में लगातार सक्रिय मानसून के बादलों ने बुधवार को भी जमकर बारिश की। बीते 24 घंटे में जिले में 130 एमएम (पांच इंच) बारिश दर्ज की गई। जिले की औसत वार्षिक बारिश 900 एमएम है और अब तक करीब 510 एमएम बारिश हो चुकी है। यानी जिले की औसत बारिश का करीब 56 प्रतिशत कोटा पूरा हो गया है। लगातार बारिश से नदी-नालों में तेज बहाव है, जलस्रोत लबालब हो रहे हैं और कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

बारिश के चलते जिले के प्रमुख बांधों में पानी की आवक तेजी से बढ़ी है। कालीसिंध, छापी और राजगढ़ बांधों के गेट खोलकर पानी की निकासी करनी पड़ी। इससे पहले भी कालीसिंध के 13, छापी के 12 और राजगढ़ बांध के 6 गेट खोले गए थे। कालीसिंध बांध के मंगलवार को भी दो गेट खोले गए। जिले के छोटे बांधों में भी पानी की आवक बढ़ी और कई बांध छलकने की स्थिति में पहुंच गए।

प्रशासन, पुलिस और ग्रामीणों ने मानव श्रृंखला बनाकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

सुनेल में सबसे ज्यादा असर देखने को मिला :- लगातार बारिश से कस्बे के कई घरों में 5 से 6 फीट तक पानी भर गया। खाद्य सामग्री, कपड़े और घरेलू सामान खराब होने से लोगों को भारी नुकसान हुआ। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से नाराज मोहल्लेवासी धरने पर बैठ गए और नालों के गहरीकरण व चौड़ीकरण की मांग की। प्रशासन ने स्थिति का सर्वे कराने के लिए छह सदस्यीय टीम गठित की है।

स्कूल भी बने जलभराव का शिकार:- रायपुर क्षेत्र के कचराखेड़ी उच्च प्राथमिक विद्यालय में नाले का पानी घुसने से करीब 40 बच्चे और शिक्षक फंस गए। प्रशासन, पुलिस और ग्रामीणों ने मानव श्रृंखला बनाकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। मनोहरथाना क्षेत्र के झीकनी स्कूल में भी नाले का पानी घुस गया, जहां ग्रामीणों और शिक्षकों ने बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। लगातार बारिश को देखते हुए जिले में स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन को लेकर प्रशासन ने अवकाश के आदेश भी जारी किए।

- **बीते 24 घंटे में झालावाड़ जिले में पांच इंच बारिश दर्ज की गई**
- **कालीसिंध और आहू नदी के उफान से झालावाड़-गागरोन मार्ग सहित कई रास्ते प्रभावित**

शहर में भी जलभराव की स्थिति रही :- शाम तक करीब 3.52 इंच बारिश दर्ज हुई। चंदा महाराज की पुलिया, ड्रीम सिटी सहित कई निचले इलाकों में पानी भर गया और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज बारिश और नदियों के उफान का असर यातायात पर भी पड़ा। कालीसिंध और आहू नदी के उफान से झालावाड़-गागरोन मार्ग सहित कई रास्ते प्रभावित हुए। आहू नदी में उफान के कारण गागरोन मार्ग से जुड़े कई गांवों का संपर्क बाधित हुआ। भोपाल हाईवे करीब दो घंटे और इंदौर मार्ग भी कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। मौसम विभाग ने जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने तथा अनावश्यक रूप से पानी के तेज बहाव वाले रास्तों पर नहीं जाने की अपील की है। लगातार बारिश के बीच प्रशासन और पुलिस की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बनाए हुए हैं।

बरसात से मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बनी टनल में पानी भरा

कोटा, (निसं)। भारी बारिश के कारण दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बनी टनल में पहाड़ी से पानी प्रवेश कर गया। कुछ जगहों पर करीब एक फीट तक पानी भर गया। यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

- **दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बनी मुकंदरा टनल में पानी भरने से टनल को बंद किया**

जानकारी के अनुसार कोटा में सुबह से बादल छाए हैं। शहर के कई इलाकों सुबह 11 बजे में रुक-रुककर बारिश हुई। मौसम खुशनुमा बना हुआ है। बारिश होने से तापमान में भी गिरावट हुई है। लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली है। बीते 24 घंटे में जिले में 71.7 एमएम बारिश दर्ज हुई है। सबसे ज्यादा बारिश चेचट इलाके में हुई। मौसम विशेषज्ञों ने बताया 14 अगस्त से प्रदेश में मानसून कमजोर होगा। अगले एक सप्ताह तक बहुत कम बारिश की संभावना है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बनी मुकंदरा टनल में पानी भर जाने के कारण दोपहर में टनल को बंद कर दिया गया। टनल में 1 फीट के करीब पानी भरा हुआ बताया जा रहा है। जिसे पंपों के जरिए बाहर निकाला जा रहा है। इस कारण मुंबई की तरफ से टनल की ओर आने वाले ट्रैफिक को एनएच-52 पर डायवर्ट किया है। कोटा-झालावाड़ एनएच-52 पर दरा की नाल पर जाम जैसे हालात रहे। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगी रही।

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल ने बताया कि सीपेज का पानी आ रहा है। पानी के संग्रहण के लिए अंदर टैंक बनाए गए हैं जिनसे पंप के जरिए पानी बाहर निकाला जा रहा है। वर्तमान में पानी अधिक आने से पंपिंग क्षमता कम पड़ रही है इसे बढ़ाया जाएगा। टनल में ट्रायल रन चल रहा है और रास्ता बंद नहीं किया गया है। वाहन चालकों को धीरे और सुरक्षित निकलने की सलाह दी गई है। उल्लेखनीय है कि मुकुंदरा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में करोड़ों रुपए की लागत से इस टनल का निर्माण किया जा रहा है। हाल ही में ट्रायल के लिए इसका एक हिस्सा खोला गया था और अब बरसात में पानी भरने की समस्या सामने आ गई है।

भारी बारिश के कारण दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे टनल में पानी भरने से वाहन फंस गये।

जोधपुर में मौसम बदला, कई इलाकों में बारिश हुई

जोधपुर, (कासं)। शहर में बुधवार को एक बार फिर मौसम बदला और कई इलाकों में बारिश हुई। बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार 14 अगस्त तक बारिश हो सकती है। इससे पहले मंगलवार को रात में बारिश हुई थी।

बुधवार को अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान भी 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1.9 डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार 11 अगस्त तक जोधपुर में एक जून से सामान्य से 17 प्रतिशत कम बारिश हुई है। सामान्य बारिश 188.3 एमएम होनी चाहिए थी, जबकि इस बार केवल 171.1 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई, जो कि मानसून सीजन क सामान्य से 17.2 फीसदी कम है। मौसम विभाग की ओर से हल्की बारिश की चेतावनी जारी की गई है लेकिन 14 से 16 अगस्त तक किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया और मौसम भी सामान्य रहेगा।

सरवाड़ में बरसात से कई घरों में पानी घुसा

सरवाड, (कासं)। सरवाड़ में हरियाली अमावस्या के मौके पर शहर में जमकर बरसात हुई, जिससे फसलों में अमृत का पानी मिलाने से किसानों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली। वहीं शहर के कई क्षेत्रों में पानी ही पानी हो गया। वहीं चमन चौराहा दरवाजे के पास पानी भरने से आने जाने वाले वाहन चालकों काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हर बारिश में इस क्षेत्र में पानी भर जाता है जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पालिका प्रशासन का इस और ध्यान नहीं है जिससे लोगों में रोष देखने को मिल रहा है। अजमेर मार्ग पर स्थित अरोड़ा होटल के पास से कॉलोनी की तरफ पानी उतर गया, जिससे मोहल्लेवासियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी, कई घरों में पानी भरने से मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी में नौ और गंगरार में आठ इंच पानी बरसा

लेकसिटी पर भी मेघ हुए मेहरबान, उदयसागर के दो गेट खोले

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में मंगलवार से जारी बारिश का दौर बुधवार को भी रुक-रुककर जारी रहा। शहर और जिले के कई इलाकों में बुधवार सुबह भी हल्की से तेज बारिश हुई। बारिश के चलते मौसम में ठंडक है। मौसम विभाग ने जिले में यलो अलर्ट जारी किया हुआ है। उदयसागर बांध का जल स्तर 21 फीट पार हो गया है। 24 फीट पूर्ण भराव क्षमता वाले उदयसागर बांध में लगातार पानी आ रहा है ऐसे में बुधवार मध्यान्ह बाद बांध के दो गेट खोले गए। चित्तौड़गढ़ जिले में मानसून की मेहरबानी सबसे ज्यादा देखने को मिली। बस्सी में 227 मिमी (नौ इंच) और गंगरार में 205 मिमी (आठ इंच) बारिश दर्ज की गई। बस्सी बांध में 184 मिमी (साढ़े सात इंच) तथा उरई बांध में 170 मिमी (सात इंच) बारिश हुई। मेवाड़ के अन्य जिलों में भी मानसून सक्रिय रहा। प्रतापगढ़ के अरनोद में 82 मिमी, दलोट में 60 मिमी और सुहागपुरा में 54 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं राजसमंद के भीम में 68 मिमी बारिश हुई।

इधर, सलूंबर जिला मुख्यालय पर बुधवार सुबह से बारिश का दौर चल रहा है। कस्बे में सुबह साढे आठ बजे से बारिश का दौर चल रहा है।

- **सेमारी में पांच, झाड़ोल में चार इंच बारिश हुई, सडकों पर पानी ही पानी, रास्ते हुए बंद**
- **प्रतापगढ़ के अरनोद में 82 मिमी, दलोट में 60 मिमी और सुहागपुरा में 54 मिमी बारिश दर्ज की गई**

सेमारी कस्बे में भी अच्छी बारिश हो रही है। इससे सड़कों पर पानी भर गया है। उदयपुर जिले में मंगलवार दोपहर बाद बारिश का दौर शुरू हुआ था। कुछ देर बाद बारिश थम गई, लेकिन शाम के बाद रातभर रुक-रुककर बारिश होती रही। बुधवार सुबह भी शहर के कई हिस्सों में बारिश हुई। जिले के अधिकांश इलाकों में भी बारिश दर्ज की गई। वहीं बुधवार सुबह 8 बजे तक बीते 24 घंटे में उदयपुर जिले में सबसे ज्यादा बारिश उदयसागर रेनफॉल सेंटर पर ढाई इंच दर्ज की गई। उदयपुर शहर के पास स्थित उदयसागर बांध का जल स्तर 21 फीट पार हो गया है।

जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता नितेश नायक ने बताया कि बुधवार मध्यान्ह में बांध के 2 गेट एक-एक फीट के खोल दिए गए हैं। जल संसाधन विभाग के कंट्रोल रूम के अनुसार बुधवार सुबह 8 बजे तक बीते 24 घंटे में उदयपुर जिले में सबसे ज्यादा बारिश उदयसागर रेनफॉल सेंटर पर ढाई इंच दर्ज की गई। इसके अलावा वल्लभनगर में 2 इंच, जयसमंद, सलूंबर, डाया और देवास में करीब एक-एक इंच बारिश हुई। सलूम्बर के नरसिंह मंदिर के पास गली और होली चौक में तेजी से बारिश का पानी बहकर निकला। सेमारी कस्बे में तेज बारिश के चलते गांव की सड़कों पर तेजी से पानी बहता नजर आया। बाजार में दुकानों के बाहर पानी ही पानी भर गया।

मौसम विभाग के अनुसार उदयपुर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 32.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जबकि बुधवार को अधिकतम तापमान 27.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 .0 डिग्री सेल्सियस रहा। यानी एक दिन में अधिकतम तापमान में 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बारिश के चलते बुधवार सुबह मौसम में ठंडक और वातावरण में नमी बनी रही।

तीरंदाजी अभ्यास के दौरान छात्र के सीने में घुसा तीर

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय ठाकरड़ा में मंगलवार शाम तीरंदाजी अभ्यास के दौरान 8वीं कक्षा के एक छात्र के सीने में तीर घुस गया। तलैया, बिछीवाड़ा निवासी छात्र विकास ननोमा तीरंदाजी कोर्ट में अभ्यास कर रहे बच्चों के बीच अचानक पहुंच गया था, तभी यह हादसा हुआ। तीर लगने के बाद विकास ने उसे तुरंत हाथ से निकाल लिया, लेकिन उसका आगे का नुकीला लोहे का टुकड़ा सीने में ही फंसा रह गया। स्कूल स्टाफ ने तुरंत घायल छात्र को सागवाड़ा सरकारी अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी छात्र के परिजनों और जिला प्रशासन को भी दी गई।

सागवाड़ा अस्पताल से छात्र को एक निजी अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन वहां इलाज संभव नहीं हो सका। इसके बाद उसे मंगलवार रात में ही उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। डूंगरपुर जिला प्रशासन ने उदयपुर प्रशासन को पहले ही सूचित कर दिया था, जिससे अस्पताल में डॉक्टरों की टीम तैयार थी। छात्र के अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने इलाज शुरू कर दिया। रात करीब 2 बजे डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर विकास के सीने से तीर का नुकीला लोहे का टुकड़ा सफलतापूर्वक निकाल दिया। ऑपरेशन के बाद छात्र की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है और वह होश में है। परिजन भी उदयपुर पहुंच गए हैं।

- **तीरंदाजी कोर्ट में अभ्यास कर रहे बच्चों के बीच अचानक पहुंच गया था 8वीं का छात्र**

जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रिंसिपल अमिल मीणा ने बताया कि अगले महीने से तीरंदाजी की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं होनी हैं, जिसके लिए छात्र तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान विकास बीच में आ गया और उसे तीर लग गया। उन्होंने पुष्टि की कि उदयपुर आरएनटी में ऑपरेशन के बाद विकास की तबीयत ठीक है और उसमें सुधार हो रहा है।

उदयपुर की गायत्री नगर कॉलोनी में लैपर्ड दिखा

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के बड़गांव क्षेत्र की एक कॉलोनी में लैपर्ड के मूवमेंट से लोगों में दहशत का माहौल है। रिहायशी इलाके में घूमते लैपर्ड की तस्वीरें कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई हैं। फुटेज सामने आने के बाद कॉलोनीवासियों की चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार लैपर्ड बडगांव के बालकेश्वर महादेव मंदिर के बाहर से गुजरते हुए गायत्री नगर कॉलोनी की ओर आया। आठ अगस्त की सुबह का एक सीसीटीवी फुटेज में वह रिहायशी इलाके में घूमता दिखाई दे रहा है। इसी दौरान कॉलोनी के कई श्वानों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। श्वानों के पीछे दौड़ने पर लैपर्ड वहां से भागकर आगे निकल गया। इसके बाद भी रात में कॉलोनी में कुत्तों के शोर से लोगों को लैपर्ड की आवाजाही लग रही और वे भयभीत है।

कॉलोनीवासियों ने बताया कि करीब 2 दिन पहले भी क्षेत्र में लैपर्ड के आने की जानकारी सामने आई थी।

Municipal Corporation Alwar (Raj.)

Sr.No./MCA/SBM/2026/8428 Dt. 06.08.2026

Nit No./02/2026-27 E-Procument Notice Inviting Bid

Bid for " Selection of agency to Conduct IEC Activities under SBM 2.0 & CAQM for Municipal Corporation Alwar"at Municipal Corporation Alwar invited for interested bidders up 17.08.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & www.eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is 62.00 lac.

UBN No	TENDER ID
DLB2627SLOB15563	2026_DLB_582962_1

Raj.Samwad/C/26/9554 Commissioner Municipal Corporation, Alwar

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- JDA/2026-27/EEHQ/1066 दिनांक :- 06/08/2026

ई-निविदा सूचना संख्या- मुख्यालय/23/2026-27

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन नियमानुसार पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. :- JOD2627WSOB00232, JOD2627WSOB00233

राज.संवाद/सी/26/9479 अधिशाषी अभियंता

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

No. :- F. 14 ( )/DEAN/COA/Kota/Tender/Proc. Computer/2026-27/2026-37 Date :- 07/08/2026

ई-बोली सूचना

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज कोटा में "Supply and Installation of Computer" क्रय के लिए सद्‌भावी निर्माताओं / फर्म / कम्पनी / पंजीकृत सप्लायरों से ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के द्वारा ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती हैं। बोली से संबंधित समस्त विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.aukota.org स्टेट प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड कर देखा जा सकता हैं। बोली ऑनलाईन माध्यम से http://eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत / जमा करानी होगी। निविदा जमा कराने की अंतिम दिनांक: 22.08.2026 दोपहर 12:00 Noon बजे।

UBN : AUK2627GLOB00054 राज.संवाद/सी/26/9611 अधिष्ठाता

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/11479 - 92 दिनांक :- 31/07/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं0 33/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में ए एवं एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 01 कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।

UBN विवरण:-01. WAQ2627WSOB00099

राज.संवाद/सी/26/9606 अधिशाषी अभियन्ता (प्रथम)

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/145 - 147 Date :- 06/08/2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 37/2026-27

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 76.93 लाख (07 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	07.08.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 24.08.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	07.08.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 24.08.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	25.08.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2627WSOB00220 To ITU2627WSOB00226

राज.संवाद/सी/26/9485 अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

कालीसिंध थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट, झालावाड़ (राज.)

ऑनलाइन / ऑफलाइन निविदा सूचना

निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति / वार्षिक अनुबंध / कार्य हेतु निविदाएं आमन्त्रित की जाती है:-717 (RVU2627WSOB01008) TG हॉल में टरबाइन, हीट एक्सचेंजर, TDBFP और उनसे जुड़े सहायक उपकरणों के रूटीन व ब्रेकडाउन मेंटेनेंस, टरबाइन एरिया में पंपों के मेंटेनेंस व देखभाल और 2 EOT क्रेन (105/25 MT) के ऑपरेशन और मेंटेनेंस, 718 (RVU2627WSOB00990) ऑनलाइन सीलिंग तकनीक से ऑनलाइन लीकेज ठीक करना, 719 (RVU2627WSOB01004) टू स्टेज लिक्विड रिंग वैक्यूम पंप व 2 रिसर्च्युलेशन पंप की पूरी ओवरहॉलिंग असेंबली टेस्टिंग और रिपेयर किट, 720 (RVU2627WSOB01013) LT स्विचगियर, LT मोटर्स और इलेक्ट्रिकली ऑपरेटेड मोटराइज्ड वाल्व, डैम्पर्स और सूट ब्लोअर्स आदि तथा उनसे जुड़े उपकरणों/कार्यों का (सिविल / स्ट्रक्चरल), 721 (RVU2627WSOB01007) सेंट्रल AC प्लांट, लिफ्ट, पैकेज / चिलर यूनिट, एसी, आदि की मरम्मत / बदलाव / देखभाल और संचालन, 722(RVU2627WSOB01014) प्रोटेक्शन सिस्टम, AVR, एक्साइटेशन सिस्टम और D C सिस्टम के रूटीन, ब्रेकडाउन और कैपिटल मेंटेनेंस, 723 (RVU2627WSOB01012) पावर ट्रांसफॉर्मर, ESP और नदी के पानी के सिस्टम के रूटीन, ब्रेकडाउन और कैपिटल मेंटेनेंस, 724 (RVU2627WSOB01010) C&I उपकरणों के रूटीन, ब्रेकडाउन और कैपिटल मेंटेनेंस, 725(RVU2627WSOB00998) PC, प्रिंटर, और अन्य नेटवर्किंग कंपोनेंट्स हेतु CAMC, 726(RVU2627WSOB00999) वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, कूलिंग वॉटर सिस्टम, कूलिंग टावर्स और उनसे जुड़े सिस्टम के रूटीन, प्रिवेंटिव और ब्रेकडाउन मेंटेनेंस, 727(RVU2627WLOB01020) 2026 से 2028 तक कोल हैंडलिंग प्लांट के पूरे ऑपरेशन, मेंटेनेंस और हाउसकीपिंग के काम का सालाना कॉन्ट्रैक्ट, इसमें वैगन अनलोडिंग, भारी मशीनों और अन्य उपकरणों का ऑपरेशन और मेंटेनेंस, रेलवे लाइन और उपकरण, CHP एरिया के इलेक्ट्रिकल और C&I काम व अन्य संबंधित कार्य, 728 (RVU2627SLOB01011) 12 घंटे की ड्यूटी के लिए 12 AC हैचबैक कारें उपलब्ध कराने, 729(RVU2627SLOB01009) पैरामेडिकल स्टाफ (05 GNM, 05 ANM और 04 वार्ड बॉय) की सेवाएं लेना, 730 (RVU2627WSOB01000) ऑयल गन की सफाई और प्लांट के संचालन से जुड़े अन्य कामों, 731 (RVU2627WSOB00993) इम्पोर्टेड नोजल और UHP पंप का इस्तेमाल करके हाई प्रेशर जेट क्लीनिंग सर्विस के काम, 732 (RVU2627WSOB01006) व्हाइट मेटल बेयरिंग की री बैबिटिंग और मशीनिंग, 733(RVU2627WSOB00995) ID/FD/PA फैन की कंडीशन मॉनिटरिंग, वाइब्रेशन एनालिसिस और डायनामिक बैलेंसिंग, 09(RVU2627WSOB01002) भवनो की दैनिक सफाई, 1294(RVU2627GLOB00982) SMPS रिले, सिग्नल आइसोलेटर और सेलेक्टर स्विच, 1315(RVU2627GLOB00983) वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर और / करंट ट्रांसफॉर्मर, 1316(RVU2627GLOB00985) LT स्विचगियर और L&T के स्पेयर पार्ट्स, 1318 (RVU2627GLOB00979) 75-इंच के वीडियो वॉल पैनल और उनसे जुड़े सामान की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग, 1319(RVU2627GLOB00989) लेवल गेज के स्पेयर पार्ट्स और कम्पलीट लेवल गेज असेंबली, 1321(RVU2627GLOB00980) एक्सेसरीज़ के साथ फ्लेम स्कैनर की खरीद, आपूर्ति, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग, 1322 (RVU2627GLOB00981) एम्बिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम और संबंधित उपकरणों की खरीद (सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग) तथा दो साल का O&M कॉन्ट्रैक्ट, 1323 (RVU2627GLOB00977) बॉयलर के लिए कोल कंसंट्रेटर, 1324 (RVU2627GLOB00992) कम्पलीट इलेक्ट्रिकल वायर रोप होइस्ट की सप्लाई और कमीशनिंग, 1325(RVU2627GSOB00994) ऑयल प्यूरीफायर मशीन की सप्लाई और कमीशनिंग एवं 1317 (RVU2627GSOB00986) रेफ्रिजरेशन गैसों की आपूर्ति। निविदा विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/9500 RVUN/PR-4449 मुख्य अभियन्ता (KaTPP)

Office Of The Municipal Board Malpura District Tonk (Raj.)

Sr.No. NPM/2026-27/4555 Date :- 05.08.2026

Notice Inviting Bid

Nagar Palika Malpura Bids For 34/2026-27 Nib No DLB2627A6197 of subject matters of procurement are invited from interested bidders Last Submission End Date 13.08.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.gov.in.

UBN :- DLB2627WSOB15494, 15495, 15497, 15499, 15501, 15502, 15504, 15505, 15506, 15507, 15508, 15509, 15510, 15511, 15512, 15513, 15514, 15515, 15516, 15517, 15518, 15519, 15520, 15521, 15522, 15523

Raj.Samwad/C/26/9617 Executive Officer

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 10/08/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
E-Tender No. 06/2026-27 Dated 05.08.2026 Due Date 26.08.2026 UBN No. MML2627GLOB00098	आरएसएमएमएल झामर कोटड़ा माइंस में गोदरेज मेक कार्यालय फर्नीचर की आपूर्ति अनुमानित लागत रू. 15,00,000 /-, धरोहर राशि रू. 30,000 /-, निविदा शुल्क रू. 1180 /-, प्रोसेसिंग शुल्क रू. 1000 /-

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com/ www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (एमएम) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/26/9506 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)

नेशनल हाईवे नम्बर- 11, श्रीडूंगरगढ जिला- बीकानेर

Tel. : 01565-224766 E-mail id : nagarpalikadungargarh0@gmail.com

क्रमांक :-न.पा.श्रीडूं/1527 दिनांक :- 08.08.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगरपालिका मंडल श्रीडूंगरगढ़ के द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्ते व अन्य विवरण वेबसाईड sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in पर कर दिया गया हैं। जिसके युबीएन नम्बर DLB2627GLRC16875 है :-

राज.संवाद/सी/26/9620 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका श्रीडूंगरगढ़

कार्यालय नगरपरिषद, करौली राज0

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com

क्रमांक : न0परि0क0/2026/2382 दिनांक : 06.08.2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली मय डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड (कार्य दोष निवारण अवधि)के शहर करौली निम्न कार्य कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई टैण्डरिंग के माध्यमसे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	ध्रुवसिंह एडवोकेट के साईड में परचूनी की दुकान से सुरेन्द्र सिंह के मकान तक सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य	उपेन्द्र सिंह जादौन के मकान से ध्रुवसिंह एडवोकेट के मकान तक सीसी सड़क निर्माण कार्य	मनीष शर्मा के घर से गिर्राज मनेमा के घर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य
निविदा की लागत	14.06 लाख	23.63	20.33
धरोहर राशि	लागत का 2 प्रतिशत		
निविदा शुल्क	1000 /- रूपये		
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500 /-रूपये		
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	दिनांक 07.08.2026 5:00 पीएम से 17.08.2026 समय 6:00पीएम0 तक		
ऑनलाईन निविदा फॉर्म व निविदा शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि	17.08.2026 समय 6:00 पीएम0 तक		
ऑनलाईन बिड खोलने की तारीख	18.08.2026 समय 03.00 पीएम0 पर		
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in		
कार्य दोष निवारण (डिफेक्ट लाईबिलीटी पीरियड)	03 वर्ष		
कार्य की समयावधि	04 माह		
UBN. -	DLB2627WSRC15758	DLB2627WSRC15763	DLB2627WSRC15766

राज.संवाद/सी/26/9541 आयुक्त नगरपरिषद, करौली

निजी पूंजी जुटाने में विकास बैंकों की भूमिका अहम: सीतारमण

जयपुर में ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की दो दिवसीय बैठक आयोजित

जयपुर। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास के प्रमुख इंजन हैं, लेकिन बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाने के मामले में सदस्य देशों के सामने कई समान संरचनात्मक चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि चुनौती केवल पूंजी उपलब्ध कराने की नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए भरोसेमंद, स्थिर और पूर्वानुमेय

- **'ब्रिक्स देशों की अर्थव्यावस्थाएं वैश्विक विकास की प्रमुख इंजन, निवेशकों का भरोसा और स्थिरता जरूरी'**

माहौल तैयार करने की भी है। जयपुर में ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक के दौरान'द रोल ऑफ द न्यू डेवलपमेंट बैंक इन मोबिलाइजिंग प्राइवेट कैपिटल इन मेंबर कंट्रीज'विषय पर आयोजित सेमिनार में सीतारमण ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने विकास परियोजनाओं के लिए निजी पूंजी जुटाने में बहुपक्षीय विकास बैंकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।सीतारमण ने कहा कि सार्वजनिक पूंजी को निजी निवेश का विकल्प नहीं, बल्कि उसके लिए उत्प्रेरक के तौर पर काम करना चाहिए। भारत सरकार ने इसी सोच के तहत बुनियादी ढांचे और निवेश को

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक को संबोधित किया।

बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ), हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल, क्रेडिट बढ़ाने वाले उपाय, इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान ने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के साथ परियोजनाओं में तालमेल और कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद की है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई लक्षित प्रावधान किए गए हैं। इनमें नए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, नए राष्ट्रीय जलमार्ग और तटीय कार्गो प्रोत्साहन योजना प्रमुख हैं। इन पहलों का उद्देश्य देश में लॉजिस्टिक्स और परिवहन ढांचे को मजबूत करने के साथ निजी निवेश के नए अवसर तैयार करना है।

सीतारमण ने भारत के बुनियादी ढांचे में हुए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने लगातार सार्वजनिक पूंजीगत व्यय और संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से अवसंरचना इकोसिस्टम को मजबूत किया है। पिछले एक दशक में राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, लॉजिस्टिक्स प्रणालियों, डिजिटल अवसंरचना और ऊर्जा नेटवर्क में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि विकासात्मक वित्त का भविष्य साझेदारी में निहित है। बहुपक्षीय संस्थाओं, राष्ट्रीय सरकारों और निजी क्षेत्र की अपनी-अपनी विशिष्ट क्षमताएं हैं। इनके बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाकर विकास परियोजनाओं को गति दी जा सकती है।इससे पहले आर्थिक कार्य विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर ने स्वागत भाषण में कहा कि विकासात्मक वित्त के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम करने के साथ-साथ मजबूती और दीर्घकालिक स्थिरता भी जरूरी है। सेमिनार में बहुपक्षीय संस्थाओं, वित्तीय संस्थानों, निजी कंपनियों, थिंक टैंक और अकादमिक जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बाद में निजी पूंजी जुटाने और विकास वित्त से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत पैनल चर्चा भी हुई।

ओपन जेल के कैदी की गोली मारकर हत्या

जयपुर। करणी विहार थाना क्षेत्र के धावास स्थित जानकी विहार इलाके में बुधवार को बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने ओपन जेल के कैदी मोहन कुमावत (40) की गोली मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने मोहन पर तीन राउंड फायर किए और वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पूरे शहर में नाकाबंदी कराकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

- **बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने तीन राउंड फायर किए**
- **जेल लौटते समय धावास के जानकी विहार में वारदात**

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों बदमाश मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे। सामने से मौका मिलते ही उन्होंने मोहन को निशाना बनाकर फायरिंग की। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर करणी विहार के साथ भांकरोटा और चित्रकूट थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शव को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस जांच में सामने आया कि मोहन कुमावत 2018 में मोती डूंगरी इलाके में महेंद्र गुर्जर की हत्या के मामले में दोषी ठहराया जा चुका था और उसे सजा हुई थी। वर्तमान में वह सांगानेर स्थित ओपन जेल में बंद था। बुधवार को वह जेल लौट रहा था। इसी दौरान धावास के जानकी विहार इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने उसका पीछा कर उसे निशाना बनाया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार को मिल रहे वित्तीय सहयोग के लिए केन्द्र सरकार का आभार जताया।

मुख्यमंत्री सीएलजी सदस्यों से आज संवाद करेंगे

जयपुर। प्रदेश में कानून-व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द्र और पुलिस-जन सहभागिता को मजबूत करने के लिए राजस्थान पुलिस ने कम्युनिटी लायजन ग्रुप (सीएलजी) को प्रभावी बनाने की पहल शुरू की है। इसके तहत गुरुवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में राज्यस्तरीय ओरिएंटेशन एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेशभर के नव-नियुक्त सीएलजी सदस्यों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम शाम 5 बजे शुरू होगा। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जयपुर रेंज के सभी पुलिस थानों के नव-नियुक्त सीएलजी सदस्यों को बिड़ला ऑडिटोरियम में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

हाईकोर्ट ने द्रव्यवती नदी में हुए अतिक्रमण व जुड़े मुकदमों की जानकारी मांगी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की द्रव्यवती नदी में हुए अतिक्रमणों की जानकारी पेश करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने जेडीए से 31 अगस्त तक बताने को कहा है कि यहां की जमीन से जुड़े मुकदमें किस-किस कोर्ट में किस स्तर पर चल रहे हैं। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस चंद्रशेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश पीएन मैंदोला की जनहित याचिका सहित अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने मामले में मौखिक टिप्पणी करते हुए द्रववती नदी को दूषित बताया और साथ ही कहा की शहर में इंदौर के मुकाबले गंदगी अधिक है

- **अदालत ने जेडीए से 31 अगस्त तक बताने को कहा है कि यहां की जमीन से जुड़े मुकदमें किस-किस कोर्ट में किस स्तर पर चल रहे हैं**

सुनवाई के दौरान न्याय मित्र अलंकृता शर्मा और शोभित तिवाड़ी ने अदलात को कहा कि उनकी ओर से गत फरवरी माह में रिपोर्ट देकर कई कमियों को उजागर किया था, लेकिन सरकार ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की, यदि रिपोर्ट में कोई कमी है तो उसे बताए, वरना रिपोर्ट पर कार्रवाई करें। इस पर अतिरिक्त महाधिवक्ता ने इस पर अपना रिस्पॉन्स पेश करने के लिए समय मांगा। जिस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि 6 माह बाद भी सरकार समय ही मांग रही है। ऐसे में सरकार को अंतिम मौका दिया जा रहा है। वहीं याचिकाकर्ता पीएन मैंदोला ने उपस्थित होकर कहा कि नदी क्षेत्र की जमीन के कई खसरों पर अतिक्रमण हो गया है और जेडीए कईयों का नियमन भी कर रहा है। इस पर जेडीए के अधिवक्ता ने कहा कि जेडीए की ओर से अतिक्रमण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा कई लोग विभिन्न अदालतों में जाकर स्थगन आदेश ले आते हैं। इस पर खंडपीठ ने जेडीए को यहां के अतिक्रमण और मुकदमों की जानकारी पेश करने के आदेश देते हुए राज्य सरकार को न्यायमित्र की रिपोर्ट पर अपना रिस्पॉन्स पेश करने के आदेश दिए हैं।

दुष्कर्म आरोपी समेत हुक्का बार संचालक गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने अपराधियों और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी को वारदात के 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। वहीं गोपालपुरा मोड़ स्थित एक रेस्तरां में अवैध रूप से संचालित हुक्का बार पर दबिश देकर दो संचालकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से चार हुक्के, चिलम, पाइप और विभिन्न फ्लेवर जब्त किए। डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई थी। एडीसीपी पारस मल जैन और एसीपी मालवीय नगर विनोद कुमार शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी रामधन ढोबाल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी सहायता और लगातार प्रयासों के बाद अंकित कुमार (26) निवासी निमभोड़ जिला कोटपूतली-बहरोड़ को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया।दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने गोपालपुरा मोड़ स्थित फिन रेस्तरां कैफे पर दबिश दी। जांच के दौरान कैफे में अवैध रूप से हुक्का बार संचालित होना पाया गया। पुलिस ने मौके से चार हुक्के, चिलम, पाइप और विभिन्न फ्लेवर बरामद किए।

दो तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आग के तहत हरमाड़ा और मानसरोवर थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई कर दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है।

192 गांवों में जल्द बनेंगे अटल प्रगति पथ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर प्रदेश में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ कर ग्रामीण विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने गांवों में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में 5 हजार से अधिक आबादी के शेष 192 गांवों में भी अटल प्रगति पथ के निर्माण के लिए 381.91 करोड़ रूपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति से 28 जिलों के 192 गांवों एवं आबादी क्षेत्रों में करीब 286 किलोमीटर सड़क निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य हो सकेंगे।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान का प्रत्येक गांव और आबादी क्षेत्र सड़क मार्ग से जुड़े और विकास का लाभ अंतिम छोर तक सुगमता से मिल सके। उन्होंने कहा है कि सड़क केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाली आधारभूत कड़ी है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने युवाओं से संवाद किया

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने विद्यार्थियों के साथ संवाद के दौरान कहा कि युवा मतदाता लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अपने मताधिकार के महत्व से परिचित कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवा अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित कर जन-जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। सिंह राजकीय महाविद्यालय, जयपुर में बुधवार को आयोजित युवा मतदाता संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के निर्माण में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू और मौलाना आजाद सहित अनेक महान व्यक्तित्वों का योगदान रहा है। आज के युवाओं को उनके विचारों और देश के प्रति योगदान से प्रेरणा लेकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे वर्तमान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों को समझें तथा किसी भी विषय पर अपना मत बनाने से पहले तथ्यात्मक जानकारी का अध्ययन करें।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में अध्ययन और विश्लेषण की आदत विकसित होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से चिन्तन, मनन, विवेचन और विश्लेषण से अपना मत तय करने का आव्हान किया। निर्वाचन आयुक्त ने

निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह

कहा कि युवा मतदाताओं के आवश्यक रूप से अपना मतदाता पहचान-पत्र बनवाना चाहिये और आगामी चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिये। साथ ही अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों और पंचायतों में जनता को स्वयं जागरुक होकर निष्पक्ष और स्वच्छ छवि के आधार जन प्रतिनिधि का चुनाव करना चाहिये।कार्यक्रम में महाविद्यालय के निर्वाचन साक्षरता क्लब ( ) की ओर से वर्षभर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। ईएलसी प्रभारी प्रो. गोविन्द शरण शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय में युवाओं को चुनावी प्रक्रिया तथा लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के प्रति जागरूक करने के लिए निबंध, कविता पाठ, पोस्टर एवं रंगोली सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

पशुपालन विभाग में 113 कार्मिकों को मिला पदोन्नित का तोहफा

जयपुर। पशुपालन विभाग में कार्यरत मंत्रालयिक संवर्ग के कार्मिकों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए विभाग ने मंत्रालयिक संवर्ग की सभी श्रेणियों की पदोन्नित प्रक्रिया वर्ष 2025-26 तक पूर्ण कर दी है। विभाग द्वारा आयोजित विभागीय पदोन्नित समिति की बैठक के पश्चात विभिन्न पदों पर कुल 113 कार्मिकों को पदोन्नत किया गया है जिनमें संस्थापन अधिकारी के 05, प्रशासनिक अधिकारी के 16, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के 38, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 34 तथा वरिष्ठ सहायक के 20 पद हैं।विभाग की ओर से पदोन्नित प्रक्रिया को निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप समयबद्ध रूप से संपन्न किया गया है। इससे मंत्रालयिक संवर्ग के कार्मिकों को उनकी योग्यता, अनुभव एवं सेवा अवधि के अनुरूप पदोन्नित का लाभ प्राप्त हुआ है। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीणा ने कहा कि मंत्रालयिक संवर्ग के सभी वर्गों की पदोन्नित वर्ष 2025-26 तक पूर्ण किया जाना विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पदोन्नित प्रक्रिया को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करने के लिए विभागीय स्तर पर निरंतर प्रयास किए गए। उन्होंने सभी पदोन्नत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि कार्मिक किसी भी विभाग की कार्यप्रणाली की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं।

राज्य में ''2047 तक सभी के लिए बीमा'' के लिए तैयारियां शुरू

जयपुर। '2047 तक सभी के लिए बीमा' का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए राज्य में प्रशासनिक तंत्र ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस सम्बंध में बुधवार को मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास और भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) चैयरमैन श्री अजय सेठ के बीच शासन सचिवालय में महत्वपूर्ण बैठक हुई और इस लक्ष्य को प्राप्त करने की रणनीति पर मंथन हुआ। बैठक में वित्त (व्यय) सचिव डॉ. टीना सोनी भी उपस्थित रही।

बैठक में असंगठित और वंचित वर्गों के बीच बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दुर्घटना एवं जीवन बीमा कवरेज के विस्तार पर चर्चा हुई। दोनों ने स्वास्थ्य दावों के इंटरऑपरेबिलिटी, पारदर्शिता और दक्षता में सुधार के लिए आरजीएचएस को राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा विनिमय के साथ एकीकृत करने की संभावना पर भी विचार-विमर्श किया। राज्य भर में वाणिज्यिक वाहनों के लिए थर्ड-पार्टी बीमा कवरेज अनिवार्य करने के उपायों पर भी चर्चा की गई। मुख्य सचिव और आईआरडीएआई अध्यक्ष ने मोटर वाहन दुर्घटना दावों के लम्बित मामलों का लोक अदालतों के माध्यम से त्वरित निस्तारण करने की सम्भावना पर विचार किया जिससे दावेदारों को समय पर राहत मिल सके। बैठक में लिए निर्णयों को लागू करने के लिए राज्य बीमा एवं साधारण प्रावधायी निधि विभाग शीघ्र ही सम्बंधित विभागों, एजेन्सियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स की बैठक आयोजित करेगा। बैठक में मुख्य सचिव, अध्यक्ष , राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा परिवहन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, एसआईपीएफ निदेशक, अतिरिक्त महानिदेशक, अस्पताल संघों के प्रतिनिधि और प्रमुख बीमा प्रदाताओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

मुख्य सचिव और आईआरडीएआई चैयरमैन के बीच रोडमेप के बारे में चर्चा हुई।

महारानी कॉलेज में तीन दिवसीय आनंदम् कार्यशाला का आयोजन

जयपुर। महारानी कॉलेज में 10 से 12 अगस्त 2026 तक हार्टफुलनेस संगठन के सहयोग से प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के मूल्य-वर्धित पाठ्यक्रम के अंतर्गत विषय पर तीन दिवसीय आनंदम् कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में जीवन कौशल, तनाव प्रबंधन, सजगता, आत्म-जागरूकता तथा भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देना रहा। तीनों दिवस विद्यार्थियों को जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का संतुलित एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सामना करने के लिए व्यावहारिक तकनीकों एवं गतिविधियों से परिचित कराया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस में हार्टफुलनेस तकनीकों द्वारा जीवन कौशल संवर्धन विषय पर सत्र आयोजित किया गया।

बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : जोराराम कुमावत

जयपुर। पशुपालन, डेयरी गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय के चिंतन कक्ष में पशुपालन विभाग एवं डेयरी की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन एवं उनकी प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में तीन वर्षों की बजट घोषणाओं की वर्तमान स्थिति, कार्यों की प्रगति तथा उनके समयबद्ध निष्पादन पर विस्तृत समीक्षा की गई।

- **बैठक में तीन वर्षों की बजट घोषणाओं की वर्तमान स्थिति, कार्यों की प्रगति तथा उनके समयबद्ध निष्पादन पर विस्तृत समीक्षा की**

कुमावत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की बजट घोषणाओं का निर्धारित समय-सीमा में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाएं प्रदेश के पशुपालकों के हितों को ध्यान में रखकर की गई हैं, इसलिए इनके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक घोषणा की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न बजट घोषणाओं की प्रगति से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं, नवीन पशु चिकित्सालयों, पशु चिकित्सा उपकेंद्रों, मोबाइल वेटनरी यूनिट, पशुधन विकास, पशु बीमा, कृत्रिम गर्भाधान, पशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं अन्य योजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार पशुपालकों को उनके पशुओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, आधुनिक सुविधाएं एवं गुणवत्तापूर्ण पशुपालन अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कार्यों में किसी प्रकार की बाधा आ रही है, उनका शीघ्र समाधान कर कार्यों में अपेक्षित गति लाई जाए। उन्होंने सभी स्तर के चिकित्सा संस्थाओं के पट्टे जल्द से जल्द हासिल करने पर बल देते हुए कहा कि हर संस्थान के पास अपना भवन होना चाहिए जिससे पशुओं को बेहतर चिकित्सा मिल सके। कुमावत ने भेड़ ऊन विभाग की जमीन को भी पशुपालन विभाग के अंतर्गत शामिल करने के लिए कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मंत्री कुमावत ने डेयरी की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक दुग्ध सहकारी समितियां और दुग्ध संकलन केंद्र खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन उत्पादों की मांग अधिक है उनका गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बढ़ाया जाए। उन्होंने बस्सी में स्थित सेक्स सॉर्टेड सीमन उत्पादन इकाई की क्षमता बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार की बजट घोषणाएं केवल घोषणा मात्र नहीं हैं इससे प्रदेश के किसानों और पशुपालकों का सशक्तीकरण होता है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। इसलिए इन घोषणाओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी क्रियान्वयन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

नवाचारों के साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास को मिले प्राथमिकता : एसीएस

शिक्षा के क्षेत्र में विकास कार्यों, नवाचारों एवं कार्ययोजना पर मंथन

जयपुर। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव ने बुधवार को जयपुर में पीरामल फाउंडेशन ग्रुप के चेयरमैन अजय पीरामल, सीईओ आदित्य नटराज, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के चेयरमैन एवं सह-संस्थापक रामदेव अग्रवाल के साथ राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों, नवाचारों, मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित करने एवं भावी कार्ययोजना को लेकर चर्चा की।

अतिरिक्त मुख्य सचिव यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ कौशल, रोजगारपरक प्रशिक्षण एवं बेहतर मानसिक स्वास्थ्य का वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

बैठक में यादव ने प्रदेश में संचालित विभिन्न शैक्षिणक योजनाओं, सरकारी विद्यालयों एवं शिक्षा कार्मिकों से संबंधित जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 649 पीएमविद्यालयों की तरह सीएम राइज में 400 विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नवाचारों को बढ़ावा देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने शिक्षा सेतु कार्यक्रम की जानकारी देते हुए इसके माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षिणक आवश्यकताओं एवं विद्यालयी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

एसीएस ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए जाएं। उन्होंने विद्यालयों में संचालित व्यावसायिक एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का विस्तार करने तथा दूरस्थ एवं छोटे गांवों के विद्यालयों तक इनका लाभ पहुंचाने की आवश्यकता बताई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव ने बुधवार को जयपुर में भावी कार्ययोजना को लेकर चर्चा की।

- **एआई, डिजिटल तकनीक से स्मार्ट शिक्षा और मॉडल स्कूलों से सशक्त होगी राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था**

बैठक में विद्यार्थियों एवं युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए संस्थागत स्तर पर कार्यक्रम संचालित करने, ड्रॉपआउट रोकने, नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

विद्यालयों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई। चयनित सरकारी विद्यालयों को बेहतर सुविधाओं एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाते हुए मॉडल विद्यालय के रूप में विकसित करने तथा कम्युनिटी पार्टिसिपेशन को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

पीरामल फाउंडेशन के संस्थापक अजय पीरामल ने संस्था द्वारा राजस्थान में किए जा रहे कार्यों का फीडबैक लिया तथा चर्चा एवं सुझावों के अनुरूप सहयोग को और बढ़ाने का आश्वासन दिया।

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने समग्र शिक्षा के तहत संचालित विभिन्न गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र की वर्तमान आवश्यकताओं, जेंडर, हाईजीन, आधारभूत संरचना, राज्य सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों की समयबद्ध तैयारी, योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग तथा विद्यार्थियों के शैक्षिणक विकास के साथ उनके समग्र विकास, कौशल एवं रोजगार क्षमता पर समान रूप से ध्यान देने की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया।

सार-समाचार

हरियाली अमावस्या पर शिक्षा अधिकारियों ने किया पौधारोपण

हिण्डौन सिटी, (निसं)। हरियाली अमावस्या के अवसर पर मुख्यमंत्री के 'हरियालो राजस्थान' अभियान एवं 'एक पेड़ मां के नाम' थीम के तहत शिक्षा अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय हिण्डौन सिटी के परिसर में शहतूत, हरसिंगार एवं नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सीमा जादौन, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दयाल सिंह सोलंकी, संदर्भ व्यक्ति विनोद कुमार जाट, शैलेंद्र सोलंकी, स्काउट सचिव मुकेश लहकोडिया, आभास शर्मा, नरेश शर्मा एवं राजकुमार शर्मा सहित अन्य कार्मिकों ने पौधारोपण किया। पौधों की सुरक्षा के लिए लोहे के जाल लगाने की योजना भी बनाई गई। इसी क्रम में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, मोहन नगर के परिसर में भी शिक्षा अधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा लगाए गए पौधों की जियो-टैगिंग की गई। यहां फलदार, छायादार एवं फूलदार विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य विकास गुप्ता, प्रियंका शर्मा, मुकेश गुप्ता, कृष्ण कन्हैया शर्मा, विनोद मीणा, मनोहर लाल शर्मा, दिलीप गर्ग, उत्कर्ष जैन एवं भुवनेश शर्मा ने सहयोग किया। गाइड की बालिकाओं ने भी पौधारोपण की व्यवस्थाओं में सहयोग किया। शिक्षा अधिकारियों ने ब्लॉक के सभी विद्यालयों के परिसरों तथा सार्वजनिक स्थलों पर अधिकाधिक पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों की जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने का आ ान किया। उन्होंने संस्था प्रधानों एवं कार्मिकों से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगवाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की, ताकि 'हरियालो राजस्थान' अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जा सके।

प्रतिभा सम्मान समारोह 16 अगस्त को

हिण्डौन सिटी, (निसं)। ब्राह्मण समाज हिण्डौन सिटी की ओर से तहसील स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 का आयोजन 16 अगस्त को किया जाएगा। समारोह पं. चौखे पैराडाइज एवं रिसॉर्ट, झारेड़ा रोड, हिण्डौन सिटी में सुबह 11 बजे आयोजित होगा। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने जानकारी देते बताया कि समारोह में समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान तथा आर्थिक रूप से पिछड़ी विधवा महिलाओं को पेंशन वितरण भी किया जाएगा। आयोजन के दौरान समाजहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श भी किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ जरूरतमंद वर्ग को सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराना है। ब्राह्मण समाज हिण्डौन सिटी के अध्यक्ष शर्मा ने समाज के सभी बंधुओं से समारोह में उपस्थिति होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आ ान किया है। प्रतिभाओं के आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 5 अगस्त 2026 निर्धारित की गई थी।आयोजकों ने समारोह को समाज की प्रतिभाओं के सम्मान और सामाजिक सरोकारों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया है।

अग्रवाल समाज अध्यक्ष की पत्नी के निधन पर दी श्रद्धांजलि

करौली, (निसं)। करौली अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विसंबर दयाल गुप्ता की धर्मपत्नी पुष्पा देवी के निधन पर बुधवार को राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम, करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, सपोटरा विधायक हंसराज मीणा एवं जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा सहित भाजपा पदाधिकारियों ने उनके पैतृक आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञात रहे कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता के बड़े भाई एवं करौली अठावाल समाज अध्यक्ष विसंबर दयाल गुप्ता की पत्नी पुष्पा देवी का सोमवार को निधन हो गया था। उनके निधन से परिवार एवं समाज में शोक की लहर है। बुधवार को करौली कैंप के दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित जनप्रतिनिधि एवं भाजपा पदाधिकारी उनके आवास पहुंचे। उन्होंने दिवंगत पुष्पा देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मंत्री बेढम ने डीजीपी गोविंद गुप्ता, विसंबर दयाल गुप्ता सहित जगमोहन गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, जगदीश प्रसाद, राजेंद्र गुप्ता एवं अन्य परिजनों को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया। इस दौरान भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया सहित जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।फोटो: 1210

जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के अस्थाई निलंबन को किया रद्द

भरतपुर, (निसं)। राजस्थान क्रिकेट संघ की पूर्व एडहॉक कमेटी के तत्कालीन कन्वीनर मोहित यादव द्वारा जिला क्रिकेट संघ भरतपुर का 9 जून 2026 को अस्थायी रूप से निलंबन कर दिया गया था निलंबन के पीछे संघ के सचिव शत्रुघन तिवारी पर गंभीर प्रकृति की शिकायत प्राप्त होने बताया था और बाद में चार सदस्य वाली जांच समिति पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व मे नियुक्त गई थी परंतु राजीव प्रताप सिंह के द्वारा हाईकोर्ट मे दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने 1 जुलाई 2026 के अपने आदेश में तत्कालीन मोहित यादव वाली एडहॉक कमेटी को निरस्त करते हुए राजस्थान सरकार के होम सेक्रेटरी भास्कर सावंत को राजस्थान क्रिकेट संघ का प्रशासक नियुक्त किया गया था उक्त सभी शिकायतों पर भास्कर सावंत द्वारा प्रसंज्ञान लेते हुए भरतपुर के संभागीय आयुक्त को पत्र लिखकर उक्त प्रकरण में एक जांच कमेटी नियुक्त करने को कहा संभागीय आयुक्त द्वारा तीन सदस्य जांच कमेटी नियुक्त की गई जिसमें श्रेष्ठ आई ए एस को अध्यक्ष एवं दो आर ए एस अधिकारियों को सदस्य शामिल किया। कमेटी ने सभी शिकायतकर्ता और शत्रुघ्न तिवारी को सुनवाई का अवसर देकर जांच को पूर्ण किया और अपनी जांच में कहा कि सभी शिकायतकर्ता जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुघन तिवारी के खिलाफ कोई भी ठोस साक्ष्य और सबूत जांच कमेटी के सामने पेश नहीं कर पाए उक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर आरसीए के प्रशासक भास्कर सावंत ने जिला क्रिकेट संघ भरतपुर की अस्थाई निलंबन को रद्द करते हुए चुनाव में भाग लेना वोट करना तथा संघ के सभी अधिकारों को बहाल किया।

करौली में तिरंगा यात्रा निकाली

करौली, (निसं)।भारतीय जनता पार्टी की ओर से बुधवार को करौली में तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिला प्रभारी मंत्री एवं राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं यात्रा में पैदल शामिल हुए।यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन, करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, सपोटरा विधायक हंसराज बालोती, पूर्व विधायक रमेश मीणा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बृजलाल डिकोलिया, हेमेंद्र वशिष्ठ, कैलाश शर्मा, भोरु सिंह जादौन, पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। तिरंगा यात्रा त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम से प्रारंभ होकर हिंडौन गेट, फूटा कोट, अनाज मंडी, बड़ा बाजार, वजीरपुर गेट होते हुए रामद्वारा पहुंची और इसके बाद पुरानी कलेक्ट्री सर्किल पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के उद्घोष गूंजते रहे। कलेक्ट्री सर्किल पर जन-गण एवं वंदे मातरम् के साथ यात्रा का समापन हुआ। यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए। पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम एवं कोतवाली प्रभारी पुलिस जाप्ते के साथ यात्रा के आगे चलकर शहर में व्यवस्था बनाए हुए थे।यात्रा में जिला संगठन के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मोर्चों के पदाधिकारी एवं हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्यार्थियों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

करौली, (निसं)। नि:शब्द विद्यालय एकट बोधग्राम में हंस मोबाइल मेडिकल यूनिट करौली की ओर से विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से की गई तथा आवश्यकतानुसार दवाइयों का वितरण किया गया। संस्था के कार्यक्रम प्रभारी मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि हंस फाउंडेशन की ओर से आयोजित शिविर में चिकित्सा दल ने विद्यार्थियों की बीपी, ब्लड शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांचें कीं। शिविर में डॉ. रविप्रकाश चौधरी, फार्मासिस्ट महेंद्र कुमार, एसपीओ संजू कुमार, एलटी शिवानी सैनी एवं पायलट जितेंद्र कुमार ने सेवाएं दीं। संस्था के समन्वयक एवं सदस्य सचिव सत्येन चतुर्वेदी ने शिविर का अवलोकन कर चिकित्सा टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की

सवाई माधोपुर में तिरंगा, वंदे मातरम प्रदर्शनी व मेले का समापन

- अतिरिक्त जिला कलैक्टर ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया, स्थानीय उत्पादों को सराहा
- तिरंगा सेल्फी पॉइंट भी आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहा

सवाई माधोपुर, (निसं)। स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संचालित 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं उद्योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिला पर्यटन सूचना केन्द्र, सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित तिरंगा एवं वंदे मातरम् प्रदर्शनी एवं तिरंगा मेले का बुधवार को समापन हुआ। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, उप निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के गौरव, राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अभियान की सराहना की। अधिकारियों ने प्रदर्शनी परिसर में लगाए गए राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार स्थानीय उत्पादों एवं हस्तशिल्प स्टॉलों का भी अवलोकन किया। अधिकारियों ने प्रदर्शित उत्पादों की जानकारी ली और हस्तशिल्पियों के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने तिरंगा सेल्फी पॉइंट पर तिरंगे के साथ फोटो खिंचवाकर आमजन से राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखने, 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने तथा अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने का संदेश दिया। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि अभियान के तहत 13 एवं 14 अगस्त को जिला स्तर पर विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, 13 से 17 अगस्त तक सरकारी कार्यालयों, स्मारकों, प्रमुख बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों को तिरंगा थीम पर सजाया जाएगा तथा प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा कैनवास स्थापित किए जाएंगे, जिन पर आमजन हस्ताक्षर कर राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति के संदेश अंकित कर सकेंगे।

14 अगस्त को प्रत्येक ग्राम पंचायत में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें स्वतंत्रता सेनानियों, पूर्व सैनिकों, शहीदों के परिजनों तथा सुरक्षा बलों के सेवानिवृत्त कार्मिकों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने जिलेवासियों से आ ान किया कि वे 17 अगस्त तक अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का पूर्ण सम्मान करते हुए तिरंगा फहराएं, तिरंगा यात्राओं एवं विभिन्न गतिविधियों में भाग लें तथा 'सेल्फी विद तिरंगा' अभियान से जुड़कर फोटो, भारत सरकार के 'हर घर तिरंगा' पोर्टल /पर अपलोड कर राष्ट्रभक्ति के इस महापर्व को जनभागीदारी का उत्सव बनाएं।जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक पंकज मीणा ने बताया कि दो दिवसीय प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में यात्रियों, विद्यार्थियों, पर्यटकों एवं आमजन ने भाग लेकर तिरंगे के गौरव, राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के महत्व तथा स्थानीय उत्पादों की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही तिरंगा सेल्फी पॉइंट भी आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहा।

भगवान जगदीश ने हरे वस्त्र धारण किये

हिण्डौन सिटी, (निसं)। हरियाली अमावस्या पर प्रसिद्ध आस्थाधाम कैमरी में भगवान जगदीश जी के दर्शनों के लिए जिलेभर से हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर मनौती मांगी। भगवान जगदीश जी की मंगला आरती से चार बजे से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया, जो देर शाम तक लगातार जारी रहा। महंत मनोज शास्त्री, हरिमोहन शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान की पूजा अर्चना की, अटका प्रसादी का भोग लगाया, भगवान जगदीश के जयकारों और भजन-कीर्तनों से मंदिर परिसर सहित पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल से सरोबार रहा। जगदीश मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष घनश्याम खटाना ने बताया कि हरियाली अमावस्या के अवसर पर करौली, भरतपुर, धौलपुर, दौसा, सवाई माधोपुर सहित दूर दराज के क्षेत्रों से हज़ारो श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। कोषाध्यक्ष कैप्टन शीशराम बाडा ने कहा कि भगवान जगदीश जी के दर्शनों की लालसा लिए रंग बिरंगे परिधानों में नजर आ रहे श्रद्धालु भगवान जगदीश की एक झलक पाने के लिए उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे थे।

करौली पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, सभी सर्किलों में डीएसपी बदले

- जिले में एक साथ डीएसपी और एसडीएम स्तर पर हुए तबादलों को आगामी निकाय चुनावों की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है

हिण्डौन सिटी, (निसं)। निकाय चुनाव से पहले राज्य सरकार की ओर से करौली जिले के पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। मंगलवार रात को आई 171 आरपीएस अधिकारीयों की सूची में जिले के सभी पांच पुलिस सर्किलों में नए उपाधीक्षक पुलिस (डीएसपी) लगाए गए हैं। इसके साथ ही एससी-एसटी सेल और साइबर क्राइम थाने की जिम्मेदारी में भी बदलाव किया गया है। बड़े स्तर पर हुए इस फेरबदल को आगामी निकाय चुनावों की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

पुलिस विभाग की ओर से जारी तबादला सूची के अनुसार आरपीएस सुरेन्द्र सिंह को हिण्डौन सिटी डीएसपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं सुरेश विश्नोई को कैलादेवी, भंवर लाल बुनकर को टोडाभीम, विकास ढींढवाल को सपोटरा तथा श्रीराम बड़सरा को करौली सर्किल का डीएसपी नियुक्त किया गया है। इस बदलाव के बाद जिले के सभी पांचों पुलिस सर्किलों की कमान नए अधिकारियों के हाथों में होगी।

एससी-एसटी सेल और साइबर क्राइम थाने में भी बदलाव

डीएसपी स्तर पर सर्किलों में बदलाव के साथ ही जिले की विशेष पुलिस इकाइयों में भी नई नियुक्तियां की गई हैं। आरपीएस छुट्टन लाल मीणा को एससी-एसटी सेल, करौली की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं कुसुम मीना को साइबर क्राइम थाना, करौली में तैनात किया गया है। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच साइबर क्राइम थाने में नई जिम्मेदारी को भी अहम माना जा रहा है। इसके अलावा एक दिन पहले यानि सोमवार रात को जारी हुई आरएएस अधिकारियों की तबादला सूची में भी करौली जिले के प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव किया गया था। जिले के हिण्डौन, करौली और मंडरायल उपखंडों के एसडीएम बदले गए थे। इस तरह लगातार दो दिनों में जिले में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के स्तर पर व्यापक फेरबदल हुआ है। जिले में एक साथ डीएसपी और एसडीएम स्तर पर हुए तबादलों को आगामी निकाय चुनावों की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में बदलाव से कानून-व्यवस्था, चुनावी तैयारियों और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी व्यवस्था में भी बदलाव देखने को मिल सकता है।

विशेष रूप से हिण्डौन, करौली, टोडाभीम, सपोटरा और कैलादेवी जैसे क्षेत्रों में नए पुलिस अधिकारियों के सामने कानून-व्यवस्था को लेकर नई जिम्मेदारियां रहेंगी। पुलिस महकमे में हुए इस व्यापक फेरबदल के बाद अब नए अधिकारियों के कार्यभार संभालने के साथ ही जिले की कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग व्यवस्था में संभावित बदलावों पर भी नजर रहेगी।

रविदास के समरसता संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं : डॉ शैलेश सिंह

डीग/भरतपुर, (निसं)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने करीब 650 वर्ष पूर्व समानता, भाईचारे और भेदभाव मुक्त समाज का संदेश दिया था, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक हैयह बात डीग - कुम्हेर के विधायक डॉ शैलेश सिंह ने डीग और कुम्हेर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर संत शिरोमणि रविदास महाराज की कलश बंधन यात्राके पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रमों मे भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने जात-पात, ऊंच-नीच और सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता को सर्वोच्च स्थान देने की प्रेरणा दी। हमें उनके विचारों को जीवन में अपनाकर समाज में आपसी सद्भाव और सम्मान की भावना को मजबूत करना चाहिए।

उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि संत रविदास के समरसता एवं समानता के संदेश को गांव-गांव और ढाणी-ढाणी तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच भी यही है कि संत रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाकर भेदभाव मुक्त और मजबूत समाज का निर्माण किया जाए।

संत रविदास महाराज के 650वें प्रकाश पर्व के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रव्यापी 'गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' के तहत निकाली जा रही कलश वंदन यात्रा बुधवार को डीग-कुम्हेर विधानसभा क्षेत्र पहुंची।

विधायक डॉ. शैलेश सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने वंदन कलश का पूजन कर संत रविदास महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

डीग शहर के अंबेडकर पार्क व गांव अऊ के अलावा कुम्हेर क्षेत्र के गांव सैंत, कुम्हेर के अंबेडकर पार्क, आजऊ-पाहुआ क्षेत्र के नगला बघेर्रा तथा अजान-गुनसारा क्षेत्र के गांव सोगर में भी यात्रा का जोरदार स्वागत हुआ।

विधायक ने बताया कि अभियान का शुभारंभ 29 जुलाई 2026 को गुरु पूर्णिमा पर संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी से हुआ था। यात्रा राजस्थान में गांव-गांव सामाजिक समरसता का संदेश दे रही है।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सतीश बंसल, लोकसभा संयोजक गिरधारी गुप्ता, मंडल अध्यक्ष ललित तिवारी, राकेश गिरसै, गोपाल इंदौलिया, शिवसिंह जाटव सहित भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अभाव अभियोग प्रकोष्ठ की बैठक में चुनावी रणनीति पर मंथन

भरतपुर, (निसं)। जिला कांग्रेस अभाव अभियोग प्रकोष्ठ भरतपुर की जिला कार्यकारिणी की एक अहम बैठक होटल निहाल पैलेस भरतपुर में जिला प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी सदस्यों के अलावा जिले के जिला, ब्लॉक, मंडल, समस्त प्रकोष्ठ एवं विभागों तथा जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में संपन्न हुई।

कांग्रेस संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मेघ सिंह सरपंच की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष योगिता पंकज शर्मा एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में भरतपुर कांठोस जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा, दयाचंद पचौरी, बबीता शर्मा तथा रूपवास पंचायत समिति प्रधान राजू रसीलपुर मौजूद रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मेघ सिंह सरपंच ने मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष योगिता पंकज शर्मा एवं कांठोस जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा का शॉल,माला एवं बुके भेंट कर सभी अतिथियों का साफा बांधकर तथा माला पहनाकर सम्मान एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि योगिता शर्मा एवं कांठोस जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा द्वारा प्रकोष्ठ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को पार्टी का पटका पहनाकर शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने किया। कार्यक्रम में कांठोसी विचारधारा के कार्यकर्ता वीरेंद्र मीणा, राकेश शर्मा और दीपक शर्मा ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर अतिथियों ने इनका माला तथा कांठोसी पटका पहनाकर स्वागत किया।

सार-समाचार

ईडब्ल्यूएस आरक्षण की मांग को लेकर राजपूत समाज ने सौंपा ज्ञापन

रूपवास/भरतपुर, (निसं)। श्री राजपूत समाज जिला इकाई रूपवास की ओर से पंचायतीराज एवं नगरीय निकाय संस्थाओं के चुनावों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को नियमानुसार आरक्षण प्रदान किए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम का उपखंड अधिकारी विष्णु बंसल को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन महामंत्री ओमप्रकाश परमार के नेतृत्व में दिया गया। ज्ञापन में समाज की ओर से बताया गया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा 103वें संविधान संशोधन के अंतर्गत शिक्षा एवं शासकीय सेवाओं में ईडब्ल्यूएस वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं एवं परिवारों को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक संबल मिला है। हालांकि स्थानीय स्वशासन संस्थाओं, पंचायतीराज एवं नगरीय निकायों के चुनावों में इस वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए आरक्षण का लाभ अब तक नहीं मिल सका है। समाज ने कहा कि राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम एवं राजस्थान नगरपालिका अधिनियम के तहत विभिन्न वर्गों को स्थानीय निकायों में उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण की व्यवस्था है। इसी प्रकार ईडब्ल्यूएस वर्ग के परिवारों को भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समान भागीदारी एवं नेतृत्व का अवसर मिलना आवश्यक है। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से मांग की गई कि पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों के चुनावों में ईडब्ल्यूएस वर्ग को नियमानुसार आरक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग अपने क्षेत्र एवं समुदाय की समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन के समक्ष रख सकें और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर सुरेश परमार, सुरेन्द्र परमार, गिर्राज सिंह, हरदौल सिंह, जितेन्द्र सिंह, नीरज, रामकिशन, अमृत आदि मौजूद थे।

अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर मैराथन दौड़ एवं निबंध प्रतियोगिता

भरतपुर (निसं)। अभियांत्रिकी महाविद्यालय भरतपुर में अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में चार किलोमीटर की मैराथन दौड एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मैराथन दौड प्रतियागिता का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर नवीन झा द्वारा किया गया है। इस मैराथन दौड में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। मैराथन दौड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तुषार चौधरी द्वितीय स्थान प्रदीप शर्मा एवं तृतीय स्थान अनुज ने प्राप्त किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नमन द्वितीय स्थान सोनिया एवं तृतीय स्थान मधुर ने प्राप्त किया।प्रतियोगिता का संचालन डॉ. अरूणा पाठक, सांस्कृतिक समन्वयक द्वारा करवाया गया एव उक्त प्रतियोगिताओं में निर्णयक के रूप में प्रोफेसर विजय खीचड, डॉ. अरविन्द सिंह चौधरी, डॉ. संदीप कुमार, दीपक पालीवाल एवं होतीलाल पीटीआई, सुमित कुमार द्वारा प्रतियोगिताओं के संचालन में सहयोग प्रदान किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने विजयी रहे विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये एवं बताया कि युवाओं को शारीरिक रूप से सक्रिय रखने के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने में सहायक है।

मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित

सवाई माधोपुर, (निसं)। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के सफल, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष संचालन के लिए बुधवार को जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (डीएलएमटी/एएलएमटी) का प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यवाहक जिला कलक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बुडानिया ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की सफलता प्रशिक्षित एवं दक्ष मतदान कार्मिकों पर निर्भर करती है। उन्होंने मास्टर ट्रेनर्स से आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवहारिक, स्पष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने का आव्हान करते हुए।

मुझे लगता है कि मेरे करियर के इस चरण में यह मेरे लिए आदर्श कदम था। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए जरूरी कदम था। जैसे ही मुझे लिवरपूल की रुचि के बारे में पता चला, चीजें बहुत तेजी से आगे बढ़ीं। - रोनाल्ड अराउहो

बार्सिलोना के डिफेंडर, लिवरपूल द्वारा साइन करने पर सहमति को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी
अभिनव बिंद्रा

भारत के महान निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में जीते ऐतिहासिक स्वर्ण पदक को याद करते हुए इसे अपने खेल जीवन का सबसे बड़ा शिखर बताया। 11 अगस्त 2008 को बिंद्रा ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 700.5 अंक के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि के 18 साल पूरे होने पर बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, 18 साल पहले आज ही के दिन मैं अपने खेल जीवन के सबसे बड़े शिखर पर पहुंचा था।

क्या आप जानते हैं ?... अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के तहत खेले जाने वाले विश्व कप में भारत ने एकमात्र बार वर्ष 1975 में कुआलालंपुर (मलेशिया) में अजित पाल सिंह की कप्तानी में पाकिस्तान को 2–1 से हराकर स्वर्ण/खिताब जीता था।

खेल मंत्रालय की बड़ी कार्रवाई, आंतरिक विवादों के कारण टेबल टेनिस महासंघ की मान्यता निलंबित

नई दिल्ली, 12 अगस्त। राष्ट्रीय चैंपियनशिप में देरी और मनिका बत्रा जैसे स्टार खिलाड़ियों के चयन को लेकर उपजे विवादों ने टेबल टेनिस महासंघ की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। मंत्रालय का हस्तक्षेप यह स्पष्ट करता है कि प्रशासनिक विफलताओं और वित्तीय अनियमितताओं के बीच खिलाड़ियों का भविष्य दांव पर नहीं लगाया जा सकता, जिसके लिए अब अंतरिम समिति व्यवस्था संभालेगी।

मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ से कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ से सलाह लेकर अंतरिम प्रशासनिक व्यवस्था तैयार करे। इसके लिए एक अंतरिम समिति बनाई जाएगी, जो महासंघ की नियमित व्यवस्था बहाल होने तक खेल से जुड़े जरूरी काम देखेगी।

गौरतलब है कि भारतीय टेबल टेनिस महासंघ की अध्यक्ष मेघना अहलावत हैं। वह महासंघ की पहली महिला अध्यक्ष हैं और दिसंबर 2022 में उन्होंने पद संभाला था। मेघना अहलावत हरियाणा के विधायक दुष्यंत चौटाला की पत्नी हैं। उनके ससुर अजय सिंह चौटाला भी पहले महासंघ के अध्यक्ष रह चुके हैं।

महासंघ पिछले कुछ महीनों से लगातार विवादों में रहा है। जनवरी में महासंघ ने अपने महासचिव और पूर्व खिलाड़ी कमलेश मेहता को कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया था। कमलेश मेहता ने इस फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी। अदालत ने बाद में उनका निलंबन रद्द कर दिया। इस पूरे मामले को महासंघ के भीतर चल रहे सत्ता संघर्ष से भी जोड़कर देखा गया, हालांकि महासंघ ने इससे इनकार किया था।

खिलाड़ियों से जुड़े फैसलों को लेकर भी महासंघ की आलोचना हुई है। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा को एशियाई खेलों की टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके पीछे घरेलू मुकाबलों में जरूरी भागीदारी नहीं होने का कारण बताया गया था। मनिका बत्रा ने सार्वजनिक रूप से इस फैसले पर सवाल उठाए और खेल मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्होंने चयन प्रक्रिया को अस्पष्ट और अनुचित बताया था। बता दें कि मंत्रालय ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन में हुई देरी को भी खिलाड़ियों के हितों से जुड़ी गंभीर समस्या माना है। मंत्रालय का कहना है कि राष्ट्रीय खेल महासंघों से जवाबदेही, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक तरीके से काम करने की उम्मीद की जाती है, लेकिन टेबल टेनिस महासंघ इन मानकों पर खरा नहीं उतर पाया। यह पहली बार नहीं है जब महासंघ को प्रशासनिक विवाद का सामना करना पड़ा है। फरवरी 2022 में भी दिल्ली उच्च न्यायालय ने मनिका बत्रा की याचिका के बाद महासंघ को निलंबित कर दिया था। मामला उस चयन नीति से जुड़ा था, जिसके चलते मनिका को उस साल की एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। अदालत ने उस समय महासंघ की स्थिति पर कड़ी टिप्पणी करते हुए प्रशासक नियुक्त करने का आदेश दिया था।

इसके बाद दिसंबर 2022 में नए चुनाव हुए और महासंघ की व्यवस्था बहाल हुई। लेकिन अब समय पर चुनाव नहीं होने और लगातार सामने आ रही प्रशासनिक समस्याओं के कारण एक बार फिर सरकारी हस्तक्षेप हुआ है। मंत्रालय ने साफ किया है कि खेल की नियमित और जवाबदेह व्यवस्था बहाल होने तक अंतरिम समिति के जरिए कामकाज चलाया जाएगा। ऐसे में अब नजर इस बात पर रहेगी कि महासंघ में नए चुनाव कब होते हैं और खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए स्थायी प्रशासनिक व्यवस्था कितनी जल्दी बहाल होती है।

बीसीसीआई सहमति के बाद एसीबी दिल्ली में टी-20 श्रृंखला आयोजित करेगा, 13 सितंबर से होंगे मैच

नई दिल्ली, 12 अगस्त। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) 13, 15 और 17 सितंबर को अरुण जेटली स्टेडियम में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत की मेजबानी करेगा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। क्रिकबज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, एसीबी की इस पुष्टि ने एक से 13 सितंबर तक प्रस्तावित भारत के बांग्लादेश दौरे पर गंभीर संशय पैदा कर दिया है, जिसमें सीमित ओवर के छह मैच खेले जाने थे। एसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नसीब खान ने बोर्ड के व्यावसायिक साझेदारों को लिखे एक पत्र में कहा, एसीबी इसके द्वारा पुष्टि करता है कि भारत का अफगानिस्तान दौरा 2026, 13 सितंबर से 17 सितंबर तक आयोजित होने वाला है। उन्होंने कहा, एसीबी ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस कार्यक्रम की तारीखों को भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) की सहमति से तय किया गया है और मैचों के स्थानों को भी अंतिम रूप दे दिया गया है।

मैदान के बाद अब कमेंट्री में दिखेगा रहाणे का जलवा

नई दिल्ली, 12 अगस्त। भारत के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे श्रीलंका में होने वाली दो मैचों की श्रृंखला से टेस्ट कमेंट्री में पदार्पण करेंगे। उन्हें 15 अगस्त को गॉल में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के कमेंट्री पैनल में शामिल किया गया है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद लगभग 18 वर्षों तक चले अपने शानदार खेल करियर को हाल में अलविदा कहने वाले 37 वर्षीय रहाणे अब कमेंटेटर के रूप में नई भूमिका में नजर आएंगे। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच में 38.46 के औसत से 5,077 रन बनाए, जिनमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने कहा, "मैं अपने अनुभव साझा करने, खेल की बारीकियों को समझाने और प्रशंसकों को उन फैसलों, रणनीति और क्षण के बारे में जानकारी देने के लिए उत्सुक हूं जो टेस्ट मैच का रुख बदल सकते हैं।

आर्यन सिंह राजावत ने नेपाल में जीता गोल्ड

औरैया, 12 अगस्त। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अजीतमल क्षेत्र के ग्राम मुड़ैना रूपशाह निवासी 15 वर्षीय युवा फुटबॉल खिलाड़ी आर्यन सिंह राजावत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। नेपाल में आयोजित इंडो–नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप–2082 की अंडर–18 फुटबॉल प्रतियोगिता में आर्यन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

आर्यन, अजीत सिंह राजावत एवं अंजू सिंह के पुत्र हैं। नेपाल में शानदार प्रदर्शन के बाद अब उनका चयन थाईलैंड चैंपियनशिप–2026 के लिए हुआ है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में आर्यन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। चैंपियनशिप का आयोजन 27 से 31 अगस्त 2026 तक बैंकॉक में किया जाएगा। आर्यन अब भारत की जर्सी में मैदान पर उतरकर देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ तैयारी में जुटे हैं।

रोनाल्डो और जॉर्जीना रोड्रिगेज की हुई शादी

नई दिल्ली, 12 अगस्त। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉर्जीना रोड्रिगेज ने आखिरकार अपने लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते को आधिकारिक बना दिया है और पुर्तगाल में एक निजी समारोह में शादी कर ली है। पुर्तगाल के फुटबॉल सुपरस्टार और उनकी लंबे समय की पार्टनर ने अपनी शादी की अंगूठियों की एक साधारण तस्वीर के ज़रिए यह खबर साझा की। 41 वर्षीय रोनाल्डो (जो पुर्तगाल और अल–नसर के लिए फॉरवर्ड के तौर पर खेलते हैं) और 32 वर्षीय अर्जेंटीना–स्पेनिश मॉडल रोड्रिगेज ने 11 अगस्त को कास्केस में एक सिविल समारोह में शादी की, जिसमें उनके पांचों बच्चे भी मौजूद थे। बाद में इस जोड़े ने शादी की अंगूठियां पहने हुए अपने हाथों की एक तस्वीर साझा की।

वॉशिंगटन सुंदर के बाहर होने से भारतीय टीम की बढ़ी मुश्किलें, लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली, 12 अगस्त। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला शुरू होने से पहले भारतीय टीम की चोट से जुड़ी परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के बाद अब वॉशिंगटन सुंदर को लेकर भी अच्छी खबर नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक सुंदर दूसरे टेस्ट मैच के लिए भी भारतीय टीम से नहीं जुड़ पाएंगे। उनकी वापसी की संभावना फिलहाल बेहद कम बताई जा रही है। वॉशिंगटन सुंदर पहले ही 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। वह पिछले महीने इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। फिलहाल वह भारत में बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उपचार और फिटनेस से जुड़ी प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार, क्रिकेट बोर्ड का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम प्रबंधन सुंदर को लेकर किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता है। चोट से पूरी तरह ठीक हुए बिना उन्हें श्रीलंका भेजने की जल्दबाजी नहीं की जाएगी। अगले सप्ताह उनकी फिटनेस का विस्तृत आकलन किया जाना है, जिसके बाद उनकी स्थिति को लेकर अंतिम तस्वीर और साफ हो सकती है।

दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त तक गॉल में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मुकाबला 23 से 27 अगस्त के बीच कोलंबो के एसएससी मैदान पर होगा। ऐसे में सुंदर के पास दूसरे टेस्ट से पहले वापसी का सीमित समय ही बचा है।

गौरतलब है कि सुंदर भारतीय टीम के लिए गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी का विकल्प भी देते हैं। खासकर श्रीलंका की परिस्थितियों में एक ऐसे खिलाड़ी की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है जो स्पिन गेंदबाजी के साथ निचले क्रम में उपयोगी रन भी बना सके। उनकी गैरमौजूदगी से टीम संयोजन पर असर पड़ सकता है।

डब्ल्यूटीसी के लिए अहम भारत के खिलाफ़ सीरीज़: श्रीलंका ने घोषित की 16 सदस्यीय टीम

नई दिल्ली, 12 अगस्त। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ़ होने वाले पहले टेस्ट के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान कर दिया है। यह मैच 15 अगस्त से गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। धनंजय डी सिल्वा को कप्तान बनाया गया है, जबकि कामिंदु मेंडिस उनके डिप्टी होंगे। साथ ही, यह सीरीज़ नौ साल में भारत का श्रीलंका का पहला टेस्ट दौरा होगा। श्रीलंका की टीम जून में वेस्टइंडीज के खिलाफ़ मुश्किल नतीजों के बाद इस दौरे पर आ रही है। उन्हें एक पारी और 217 रनों से हार का सामना करना पड़ा था, जिससे घरेलू हालात में टेस्ट की एक बड़ी टीम का सामना करने से पहले मेज़बान टीम के पास सुधार करने के लिए काफी काम है।

गाले की स्पिन–फ्रेंडली पिच के हिसाब से टीम में कई विकल्प मौजूद हैं। स्पिन के लिए खास तौर पर प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस मुख्य खिलाड़ी हैं, जबकि कामिंदु भी गेंदबाज़ी का एक और विकल्प देते हैं। केशरा नुवांथा को भी टीम में शामिल किया गया है, जिससे पिच का जायज़ा लेने के बाद डी सिल्वा के पास और विकल्प होंगे। इस ग्रुप में चार तेज़ गेंदबाज़ भी शामिल हैं। असिथा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका तेज़ गेंदबाज़ी का जिम्मा संभालेंगे। इससे चयनकर्ताओं को मैच के दौरान पिच के मिज़ाज के हिसाब से गेंदबाज़ी अटैक में बदलाव करने का मौका मिलेगा। यह सीरीज़ श्रीलंका को भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज़ के ज़रिए डब्ल्यूटीसी साइकल में अपनी स्थिति सुधारने का मौका देती है। सिर्फ़ दो टेस्ट होने के कारण, हर नतीजे का असर उनके पॉइंट्स और डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल में पहुँचने की उनकी उम्मीदों पर सीधे तौर पर पड़ सकता है।

श्रीलंका की टीम – धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), कामिंदु मेंडिस (उप–कप्तान), प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, केशारा नुवांथा, असिथा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, विश्वा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका, निरोशन डिकवेला, दिनेश चंडीमल, लाहिरू उदारा, निशान मदुश्का, पसिंदु सोरियाबंदरा, सोनल दिनुशा, मिलन रत्नायके।

कनाडा ओपनः नाओमी ओसाका को हराकर रायबाकिना सेमीफाइनल में

मॉन्ट्रियल, 12 अगस्त। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना रायबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जापान की नाओमी ओसाका को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4–6, 7–6 (5), 6–4 से हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

ओसाका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और रायबाकिना की मैच की पहली ही सर्विस गेम में ब्रेक हासिल कर लिया। अगले गेम में रायबाकिना के पास वापसी का मौका था, लेकिन ओसाका ने तीन ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी। इसके बाद रायबाकिना पूरे सेट में एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और ओसाका ने पहला सेट 6–4 से अपने नाम कर लिया। रायबाकिना ने दूसरे सेट में अपनी लय हासिल की। हालांकि वह शुरुआती तीन सर्विस गेम में से दो में अपनी सर्विस गंवा बैठीं, लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने भी दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ी और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया।

रायबाकिना ने टाईब्रेक 7–5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। रायबाकिना जब 2–3 से पीछे थीं और उनकी सर्विस पर तीन ब्रेक प्वाइंट थे, तब उन्होंने शानदार धैर्य दिखाया। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल चार ब्रेक प्वाइंट बचाकर अपनी सर्विस कायम रखी और मुकाबले की दिशा बदल दी। इसके बाद ओसाका दबाव में नजर आईं।

3–4 से पीछे होने के बाद सर्विस गंवाने पर उन्होंने अपना रैकेट पटककर निराशा जाहिर की। रायबाकिना ने इसके बाद शानदार अंदाज में मैच समाप्त किया और लगातार तीन ऐस लगाकर जीत सुनिश्चित कर दी।

रोहित शर्मा खूबसूरत गेम को हमेशा नहीं खेल सकते : मैथ्यू हेडन

नई दिल्ली, 12 अगस्त। रोहित शर्मा ने अपने पिछले वनडे मैच में शतक लगाकर आलोचकों को करारा जवाब दिया। लेकिन उनके भविष्य को लेकर चर्चा अभी खत्म नहीं हुई है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन का मानना है कि पूर्व कप्तान के संन्यास का फैसला आखिरकार इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या उनमें शीर्ष स्तर के क्रिकेट की मांगों का सामना करने के लिए अब भी वही भूख, ऊर्जा और इच्छा बची है। रोहित टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज का मानना है कि अनुभवी बल्लेबाज खुद निर्णय ले सकता है कि वह कितने समय तक खेलना चाहता है। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त वनडे सीरीज में रोहित के भविष्य को लेकर काफी चर्चा हुई थी, जहां कई रिपोर्ट में दावा किया गया था कि लॉर्ड्स वनडे उनके करियर का आखिरी मैच है।

रोहित ने लगाया था शतक : रोहित शर्मा अगले साल तक 40 के हो जाएंगे। उनके 2027 वनडे विश्व कप में हिस्सा लेने को लेकर उठ रहे सवालों के बीच रोहित अपने प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। इंग्लैंड दौरे पर आखिरी वनडे से पहले उनके संन्यास लेने की खबरें सामने आई थी। हालांकि बीसीसीआईव सचिव देवजीत सैकिया ने इन अटकलों को खारिज कर दिया था। रोहित ने लॉर्ड्स में खेले गए मुकाबले में 388 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 138 रन की दमदार पारी खेली। इस सीरीज में उन्होंने तीन मैचों में 175 रन बनाए। उनका औसत 58.33 रहा। शतकीय पारी के दौरान उन्होंने 17 चौके और 5 छक्के लगाए।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज जहीर अब्बास का मानना है कि भारत के चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा में अभी काफी क्रिकेट बाकी है और दोनों अगले साल वनडे विश्व कप खेल सकते हैं । एक पाकिस्तानी टीवी चैनल से बातचीत में जहीर ने कहा कि भारत के ये दोनों दिग्गज अभी भी सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से है और उनके विश्व कप खेलने की राह में उम्र आड़े नहीं आनी चाहिये ।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन घोषित, हेजलवुड की वापसी

डार्विन, 12 अगस्त। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की टीम में वापसी हुई है, जबकि स्कॉट बोलैंड को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी की तिकड़ी पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और हेजलवुड एक बार फिर साथ नजर आएगी।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टेस्ट की पूर्व संध्या पर पुष्टि की कि बोलैंड पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। हेजलवुड करीब आठ महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं।

स्पिन गेंदबाज नाथन लियोन भी टीम में लौटे हैं। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह एशेज के अंतिम चरण में नहीं खेल पाए थे। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने अपनी जगह बरकरार रखी है और उनके साथ ब्यू वेबस्टर भी टीम में शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों के साथ उतरने का फैसला किया है।

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन : जेक वेदराल्ड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, ब्यू वेबस्टर, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन और जोश हेजलवुड।

बांग्लादेश की टीम : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान) , मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजिद हसन तमीम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, अमीट हसन, जाकेर अली, तैजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन चौधरी और मुशफिक हसन।

इंग्लैंड टेस्ट कप्तान जो रूट ने खिलाड़ियों पर से हटाया 'नाईट कर्फ्यू'

नई दिल्ली, 12 अगस्त । इंग्लैंड की टेस्ट टीम में कप्तानी बदलने के साथ ही खिलाड़ियों के लिए नियमों में भी बड़ा बदलाव हुआ है। नए टेस्ट कप्तान जो रूट ने टीम पर लागू रात का कर्फ्यू हटाने का फैसला किया है। पाकिस्तान के खिलाफ इस महीने शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला से खिलाड़ियों पर यह पाबंदी लागू नहीं होगी। रूट का कहना है कि इंग्लैंड के खिलाड़ी वयस्क हैं और उन्हें अपने फैसलों की जिम्मेदारी खुद समझनी चाहिए। रूट ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कर्फ्यू लगाने से खिलाड़ियों की आदतों में जरूरी बदलाव आता है।

सेंट एनसलम और संस्कार स्कूल जीती

जयपुर, 12 अगस्त। जयपुर के स्थानीय सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप में दिन का पहला मुकाबला ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल व सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 11.5 ओवर में 40 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें ओजश सैनी ने सात रन व गर्वित मारवाल ने छ रन बनाए। सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में समृद्ध पांडे ने पांच विकेट व हंस चौधरी ने तीन विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल 6.2 ओवर में 41/5 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। जिसमें प्रियांशु सिंह ने अधिकतम 12 रन की पारी खेली। ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में ओजस सैनी व अजय जाट ने दो–दो विकेट लिए। सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने 5 विकेट से मुकाबला जीता।

दिन का दूसरा मुकाबला सेंट एनसलम स्कूल अलवर व संस्कार स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें सेंट एनसलम स्कूल अलवर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16.1 ओवर में 77 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें दक्ष फौजदार ने 22 रन व वंशु शर्मा ने 11 रनों का योगदान दिया।

संस्कार स्कूल की ओर से गेंदबाजी में देवांग सिंगोदिया ने पांच विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संस्कार स्कूल 8.3 ओवर में 78 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। जिसमें देवांग सिंगोदिया ने 33 रन और शिफान खान ने 18 रनों की पारी खेली। सेंट एनसलम स्कूल अलवर की ओर से गेंदबाजी में हिमांशु, समीर व अरमान ने एक- एक विकेट लिया। संस्कार स्कूल ने 7 विकेट से मुकाबला जीता।

प्रज्ञाननंदा ने सिंकफील्ड कप में सिंदारोव को हराया

नई दिल्ली, 12 अगस्त। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने ग्रैंड शतरंज टूर की प्रतियोगिता सिंकफील्ड कप के दूसरे दौर के मैच में जावोखिर सिंदारोव के डिफेंस को ध्वस्त करते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। दूसरे दौर के स्टार प्रज्ञाननंदा रहे जिन्होंने रानी के सामने वाले प्यादे से शुरुआत करके धीरे–धीरे अपनी स्थिति मजबूत की और आखिर में जीत हासिल करने में सफल रहे। सिंदारोव ने काले मोहरों से खेलते हुए बाजी ड्रॉ कराने को प्राथमिकता दी लेकिन वह प्रज्ञाननंदा की प्रतिबद्धता का अनुमान नहीं लगा पाए। इसका भारतीय खिलाड़ी को फायदा मिला जिन्होंने 95 चाल में जीत हासिल की। उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव का इस साल के आखिर में विश्व चैंपियन डी गुकेश के खिलाफ विश्व खिताब के लिए मुकाबला होगा।

डीपीएल : सार्थक और वैभव के शानदार अर्धशतकों से नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स जीती

नई दिल्ली, 12 अगस्त । सार्थक रंजन और वैभव कंडपाल की शानदार पारियों की बदौलत नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में वेस्ट दिल्ली लायंस को आठ विकेट से हरा दिया।

अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार देर रात तक चले मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने 147 रन का लक्ष्य महज दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की टीम नॉर्थ दिल्ली के गेंदबाजों की अनुशासित गेंदबाजी के सामने 20 ओवर में 146/7 रन ही बना सकी। लायंस ने शुरुआती विकेट के लिए 36 रन जोड़े, लेकिन अंकित कुमार के 10 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट होने के बाद टीम का मध्यक्रम लड़खड़ा गया। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने लगातार विकेट चटकाते हुए वेस्ट दिल्ली का स्कोर 59/5 कर दिया। इसके बाद मयंक गुसाईं और सोमबीर श्योकंद ने छठे विकेट के लिए 68 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला। श्योकंद ने 24 गेंदों पर 34 रन बनाए, जबकि गुसाईं 28 गेंदों पर 42 रन बनाकर नाबाद रहे।

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से मयंक डागर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 14 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

सार्थक और वैभव ने आसान बनाया लक्ष्य

147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने धमाकेदार शुरुआत की। कप्तान सार्थक रंजन और वैभव कंडपाल ने पहले विकेट के लिए 106 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को जीत की राह पर डाल दिया।

सार्थक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों पर 57 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद भी वैभव ने अपना आक्रामक अंदाज जारी रखा। उन्होंने 43 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और पूरे मुकाबले में अपने दबदबे का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, अलवर राजस्थान

क्रमांक- 1876 **अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 21/2026-27** दिनांक-10-8-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से वर्ष 2026-27 के निम्नलिखित भवन / सड़क निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजस्थान सरकार के "एए", "ए", "बी" "सी" श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो एवं उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदाये आमन्त्रित की जाती हैं।

निविदा की कुल लागत	राशि रू. 68.29 लाख (कुल 01 कार्य)
निविदा फार्म मिलने की तारीख	10.08.2026 को प्रातः 11.00 बजे से 12.08.2026 सायं 6.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	12.08.2026 सायं 6.00 बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की तारीख (ऑनलाईन ई-ग्रास के माध्यम से)	12.08.2026 सायं 6.00 बजे तक वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प6(5)/वित्त/सा.नि.वि./2018 दिनांक 27.04.2020 के ई ग्रास पर ऑनलाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) चालान द्वारा रजिस्टर्ड फर्म के नाम से जमा करावें अन्यथा टेन्डर मान्य नहीं होगा। 1 प्रोसेसिंग शुल्क -8658-00-102-(16)-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क - 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि -8443-00-108-00-00
निविदा खोलने की तारीख	13.08.2026 को दोपहर 02.00 बजे
यू.बी.एन. नम्बर	PWD2627WSOB09708

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "www.dipronline.org" व विभाग की वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। DIPR/C/14534/2026 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड, अलवर

कार्यालय नगरपालिका मण्डावर, जिला–दौसा (राज0)

क्रमांक–नपाम / 2025–26 / 1028 दिनांक– 08.08.2026

–:: निविदा आमंत्रण सूचना ::–

नगर पालिका मंडावर द्वारा विभिन्न विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की गई है जिसकी निविदा यूबीएन न. (DLB2627WSRC17234), (DLB2627WSRC17236), (DLB2627WSRC17239) (DLB2627WSRC17240), (DLB2627WSRC17243), (DLB2627WSRC17244), (DLB2627WSRC17246), (DLB2627WSRC17247), (DLB2627WSRC17248), (DLB2627WSRC17249), (DLB2627WSRC17250) (DLB2627WSRC17252), (DLB2627WSRC17254) (DLB2627WSRC17255), (DLB2627WSRC17257), (DLB2627SSRC17362) है। निविदा सूचना एवं शर्ते राजस्थान उपापन पोर्टल की बेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद / सी / 26 / 9630 अधिशाषी अधिकारी

MUNICIPAL BOARD CHHABRA DIST-BARAN (RAJ.)

S.No::-N.P.C./Nirman/2026/4298 Date:- 08.08.2026

Short Term E-Tender Notice
NIT NO:- 19/2026-27
NIB NO.-DLB2627A6715

On behalf of the Municipal Board, Chhabra, Amount 183.00 Lacs. online bids are invited through the e-Procurement system, in the prescribed form, from contractors registered in the appropriate class with the Department of Local Self Government, Rajasthan. Bids are also invited from contractors registered with the State Government/Central Government, authorized organizations, the Central Public Works Department (CPWD), the Department of Posts & Telecommunications, the Railways, etc., provided they are equivalent to the Rajasthan Government's "A" Class or "AA" Class contractors.

S.No	UBN No.	S.No	UBN No.
1	DLB2627WSOB17045	3	DLB2627WSOB17050
2	DLB2627WSOB17046	4	DLB2627WSOB17055

Raj.Samwad/C/26/9601 Executive Officer

MUNICIPAL BOARD CHHABRA DIST-BARAN (RAJ.)

S.No::-N.P.C./Electrical/2026/4322 Date:- 08.08.2026

E-TENDER
NIT NO:-22/2026-27
NIB NO-DLB202627A6774

On behalf of the Municipal Board, Chhabra, Amount 49.66 lacs. online bids are invited through the e-Procurement system, in the prescribed form, from Electrical contractors registered in the appropriate class with the Department of Local Self Government, Rajasthan. Bids are also invited from contractors registered with the State Government/Central Government, authorized organizations, the Central Public Works Department (CPWD), the Department of Posts & Telecommunications, the Railways, etc., provided they are equivalent to the Rajasthan Government's "EWSD-I Class contractors.

S.No	UBN NO
1.	DLB2627GLOB17253

Raj.Samwad/C/26/9602 Executive Officer Nagar Palika Chhabra

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :– 2226906, फोन :– 0151–2226902, 0151–2226905
E-mail :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक / विद्युत / 2026–27 / 8221 दिनांक : 07.08.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या 08/विद्युत/2025–26

नगर निगम बीकानेर द्वारा विद्युत सम्बन्धित कार्य (अनुमानित लागत राशि 34.48 लाख रूपए) हेतु सक्षम / पात्र संभरणकर्ता जो कार्य करने / सामग्री संभरण करने के लिए अनुभवी हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई–बोली प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा कार्य से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण एवं तिथि राज्य सरकार की ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।

1. UBN Code :- DLB2627WSOB16655

राज.संवाद / सी / 26 / 9559 आयुक्त नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सायला, जिला – जालोर

क्रमांक : न.पा.सा. / विकास / ई–निविदा / 2026–27 / 1494 दिनांक 06.08.2026

॥ ई–निविदा सूचना ॥

नगरपालिका मण्डल, सायला की ओर से वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 01 विकास कार्य की कुल लागत 47.69 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार ई–निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई–निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढ़ी जा
जिनके UBN No. निम्नलिखित है:–
(1) NIB Code:- DLB2627A6837
(2) UBN No.:-DLB2627WSOB17515

Bid Selling Date	10-08-2026

राज.संवाद / सी / 26 / 9638 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सायला

लोकतंत्र सेनानियों ने कठिन परिस्थितियों में लोकतंत्र की रक्षा की- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह में उनके योगदान को संरक्षित करने की घोषणा की

जयपुर, 12 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आपातकाल के समय लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष लोकतंत्र रक्षा की ऐतिहासिक गाथा है। उनका त्याग और समर्पण युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेक पीढ़ियों के बलिदान के बाद देश को आजादी मिली। वहीं, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र सेनानियों ने राष्ट्रहित के लिए कठिन परिस्थितियों का सामना कर लोकतंत्र की रक्षा की। इसलिए राष्ट्रवाद की विचारधारा उनकी तपस्या और संघर्ष से विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुकी है।

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को यह पता होना चाहिए कि उसे जो लोकतांत्रिक व्यवस्था सहज रूप से मिली है, उसके पीछे लोकतंत्र सेनानियों का त्याग छिपा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक लोकतंत्र सेनानी को अपने जीवन के अनुभवों को लिखित रूप में दर्ज करना चाहिए। राज्य सरकार भी इनके योगदान को संरक्षित करेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''लोकतंत्र सेनानी समाज में सकारात्मक वातावरण तैयार करने के लिए राष्ट्र हित जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सभी वर्गों से निरंतर संवाद करें।''**

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानी समाज में सकारात्मक वातावरण तैयार करने के लिए राष्ट्रहित जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सभी वर्गों से निंरतर संवाद करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों की पीढ़ी ने आपातकाल को देखा और सहा, इसलिए वे समाज एवं राष्ट्र को दिशा देने की क्षमता रखते हैं। उनके अनुभव का लाभ प्रदेश को मिलना चाहिए।

रूस ने पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर पडे कथित प्रभाव से जुड़ा है। यह मामला यूक्रेन के डोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और ज़ापोरिज्जिया क्षेत्रों में अपनी संपत्तियों और कारोबारी गतिविधियों को लेकर ओशादबैंक के दावे से जुड़ा है। बैंक का कहना है कि 2022 में रूस के यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर हमले के बाद, रूस की सैन्य कार्रवाई के कारण उसे ये संपत्तियां और कारोबारी गतिविधियां गंवानी पड़ीं। इस मध्यस्थता न्यायाधिकरण में तीन सदस्य होंगे। कोस्टा रिका की मध्यस्थ और पूर्व व्यापार मंत्री ड्याला जिमेनेज को रूस और ओशादबैंक ने संयुक्त रूप से चुना है और वे न्यायाधिकरण की अध्यक्ष होंगी। यूनानी मध्यस्थ और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) के प्रोफेसर स्टावरोस ब्रेकौलाकिस को ओशादबैंक ने तीसरे सदस्य के रूप में चुना है। पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ को रूस ने अपना मध्यस्थ नियुक्त किया है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राजस्थान विधानसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा सिंह से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा ईश्वर से उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

सरकार ने एफसीआर बिल पारित कराने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा, पारदर्शिता और विदेशी धन प्राप्त करने वाली संस्थाओं पर कड़ी निगरानी को विधेयक का प्रमुख आधार बताया है।

लगातार विपक्षी विरोध, विधेयक को पूरी तरह वापस लेने की मांग तथा सिविल सोसायटी और चर्च संगठनों की आपत्तियों के बीच केन्द्र ने जेपीसी का रास्ता चुना। इन समूहों को आशंका है कि संपत्तियों को जब्त करने जैसी व्यवस्था के तहत, पहले से किए गए निवेश भी प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि इसमें सुनवाई या न्यायिक निर्णय का प्रावधान नहीं है।

12 अगस्त, 2026 को केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इस विधेयक को जेपीसी को सौंपने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे हंगामे के बीच लोकसभा ने ध्वनिमत से मंजूर कर लिया। 31 सदस्यीय समिति में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य होंगे। समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का जिम्मा दिया गया है।

सरकार ने विधेयक को जेपीसी के पास भेजने के पीछे पांच प्रमुख कारण बताए हैं। पहला, महत्वपूर्ण कानूनों पर व्यापक राजनीतिक सहमति हासिल करना। दूसरा, उन हितधारकों के सुझावों के लिए औपचारिक संसदीय मंच उपलब्ध कराना, जिन्होंने अनौपचारिक विचार-विमर्श के दौरान अपनी राय देने की इच्छा जताई थी। तीसरा, विधेयक को लेकर फैलाए जा रही गलत जानकारी और भ्रामक आख्यानों का मुकाबला करना। चौथा, कांग्रेस द्वारा जेपीसी की प्रक्रिया में शामिल होने पर सहमति जताने से व्यापक चर्चा का रास्ता खुलना। पांचवां, यह स्पष्ट करना कि सरकार का उद्देश्य किसी विशेष समुदाय को निशाना बनाना नहीं है, बल्कि पूरे नियामक ढांचे को मजबूत करना है। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू और अन्य नेताओं ने अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने के आरोपों को बार-बार खारिज किया है। उनका कहना है कि विपक्ष के कुछ नेताओं ने स्वयं भी विधेयक की जेपीसी से जांच कराने की मांग की थी।

हालांकि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और समाजवादी पार्टी सहित, अन्य विपक्षी दल अब भी विधेयक को पूरी तरह समाप्त किए जाने की मांग पर कायम है।

के.सी. वेणुगोपाल और अखिलेश यादव जैसे नेताओं का आरोप है कि यह विधेयक गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और अल्पसंख्यक संस्थानों, विशेष रूप से ईसाई संगठनों, को असमान रूप से निशाना बनाता है और वास्तविक नियामक जरूरतों के बजाय, व्यापक राजनीतिक हितों की पूर्ति करता है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने यह कहते हुए जेपीसी को भी खारिज किया है कि ऐसी समितियों में सत्तारूढ़ दल का वर्चस्व होने के कारण विपक्ष का प्रभाव सीमित रह सकता है।

इससे पहले, चर्च के प्रतिनिधिमंडलों ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर विधेयक को वापस लेने या इसकी विस्तृत जांच कराने की मांग की थी। उन्होंने धर्मार्थ, शैक्षिणक, चिकित्सा और धार्मिक संपत्तियों के स्वामित्व को लेकर अपनी चिंताओं को सामने रखा था।

जेपीसी का रास्ता अपनाकर सरकार को अब विचार-विमर्श, हितधारकों की सुनवाई और विधेयक में संभावित संशोधनों के लिए समय मिल गया है। साथ ही, इससे मानसून सत्र के अंत में सदन के पटल पर तत्काल टकराव की स्थिति से भी बचा जा सका है।

ऑटो -टैक्सी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मराठी भाषा की जानकारी नहीं होने पर ड्राइविंग अनुमति को तीन महीने तक निलंबित करने का प्रावधान है। इसके अलावा, बार-बार नियम तोड़ने पर अनुमति या लाइसेंस रद्द करने का प्रावधान किया गया है।

'घर-घर जाके कूड़ा उठाने की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसलिए किए गए, ताकि याचिकाकर्ता को निविदा में भाग लेने से वंचित किया जा सके। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने कहा कि जून 2026 में जारी किए गए टेंडर में शर्तों में फेर बदल इसलिए किया गया, ताकि याचिकाकर्ता निविदा में भाग न ले सके।

दूसरी और नगर निगम की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता का मामला अपरिक्व है, क्योंकि तीसरी निविदा के संदर्भ में नगर निगम ने कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। उल्लेखनीय है कि तीसरी निविदा में जिस कंपनी ने सबसे कम बोली लगाई है, उसे भी टेंडर देने में नगर निगम को तीन वर्ष में 54.5 करोड़ की लागत उठानी पड़ेगी। जबकि याचिकाकर्ता को 2024 में एक वर्ष के लिए जो अनुबंध किया गया था उसके अनुसार नगर निगम को 12.8 करोड़ की लागत आई थी। और इन आंकड़ों के अनुसार, नगर निगम को 39 करोड़ की लागत उठानी पड़ती, अगर उक्त टेंडर याचिकाकर्ता को तीन साल के लिए दिया जाता तो। सभी तथ्यों को सुनने के बाद अदालत ने कहा कि नगर निगम द्वारा दो बार बिना वजह टेंडर रद्द किये जाने से याचिकाकर्ता आहत हुआ है, क्योंकि निविदाओं में पब्लिक फंड का उपयोग होता है, इसलिए अधिकारी मनमाने तरीके से रद्द नहीं कर सकते। उन्हें टेंडर रद्द करने का स्पष्ट कारण देना आवश्यक होता है। अदालत ने कहा कि जिस तरह से निविदा की शर्तों में फेर बदल किया गया है उससे जाहिर है कि याचिकाकर्ता को निविदा में भाग लेने से वंचित रखना और किसी और को अवांछित लाभ पहुंचाना ही इसका उद्देश्य था। अदालत ने कहा कि नगर निगम द्वारा मार्च 2026 में जारी दूसरी निविदा को ही पूर्ण किया जाए और जून में आमंत्रित तीसरी निविदा के नोटिस को रद्द किया है।

टाटा संस के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा, ''मैंने बोर्ड से जल्द उत्तराधिकारी तय करने को कहा है, ताकि नेतृत्व का उचित और सुचारु हस्तांतरण सुनिश्चित किया जा सके।'' टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स के बीच बोर्ड में प्रतिनिधित्व, समूह की रणनीति और माइनॉरिटी शेयर होल्डर शापूरजी पालोनजी के प्रस्तावित एग्ज़िट को लेकर मतभेद चल रहे हैं। टाटा संस टाटा समूह की मुख्य निवेश होल्डिंग कंपनी है, जबकि टाटा ट्रस्ट्स के पास कंपनी की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

रहस्यमय ढंग से आरोप लगे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह मामला कुछ हद तक घुमावदार तर्क पर आधारित था। अमेरिकी शिकायत में कहा गया था कि अडानी ने अपने शेयरधारकों और निवेशकों को रिश्वत के भुगतान की जानकारी नहीं देकर उन्हें गुमराह किया। इस तरह यह सिक्यूरिटीज़ फ्रॉड और निवेशकों को धोखा देने की मंशा का मामला बनता था। दूसरी ओर, उन्होंने यह भी माना कि कंपनी ने यह आश्वासन दिया था कि वह रिश्वतखोरी में शामिल नहीं है।

तथापि, कुछ अधिकारियों का तर्क था कि रिश्वत के भुगतान का मुख्य मुद्दा, भले ही वह सच हो, अमेरिकी कानूनों के अधिकार क्षेत्र से बाहर था और पूरी तरह भारतीय कानून के अधिकार क्षेत्र में आता था। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा था कि यह एक विदेशी मामला था और जांच में पता चला कि ऐसी कोई रकम हस्तांतरित नहीं की गई थी, जिस पर अमेरिका में कानूनी कार्रवाई की जा सके। न ही प्रतिभूतियों में कोई नुकसान हुआ था। न्याय विभाग का कहना था कि यह मामला असल में ''नाम खराब करने और शर्मिंदा करने'' की कोशिश थी, और इसका मकसद कभी भी गंभीरता से मुकदमा चलाना नहीं था। यह भारतीय कॉरपोरेट जगत की कुछ बड़ी कंपनियों को बदनाम करने की किसी बड़ी चाल का हिस्सा भी हो सकता है।

अडानी ग्रुप देश के सबसे कामयाब कॉरपोरेट घरानों में से एक है और कई देशों में उसका कारोबार फैला हुआ है। अडानी समूह के पास ऑस्ट्रेलिया में एक बहुत बड़ी कोयला खदान है, वह कई देशों में बंदरगाहों का संचालन करता है और अमेरिकी बाजार में भी बड़े निवेश की योजना बना रहा है। गौतम अडानी को व्यक्तिगत रूप से एशिया का सबसे अमीर व्यक्ति माना जाता है और उनकी संपत्ति का मूल्य लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका में मुकदमा चलने के बावजूद, हाल के दिनों में अडानी समूह का मार्केट कैपिटलाइज़ेशन बढ़ा है। फैडरल कोर्ट का फैसला आने के बाद गौतम अडानी ने अमेरिकी न्याय व्यवस्था की प्रक्रिया के प्रति अपना गहरा सम्मान व्यक्त किया।

टेक इट और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमित शाह का कहना है कि ''टेक इट और लीव इट।''

राहुल का जवाब है कि ''वी हैव लैफ्ट इट।'' गतिरोध जारी है।

ALWAR: NEAR ALWAR PUBLIC SCHOOL, JAIPUR ROAD, ALWAR, MG MOTORS: 7240012934, 7728892248, 7073130666 | OPPOSITE MATILA POLICE STATION ALWAR BYPASS ROAD BHIWADI, FORTUNE CARS: 8875001550, 9214094335 | MANHAR VILLA, NEAR JAIL CIRCLE, VIJAY NAGAR ROAD, ALWAR, FORTUNE CARS: 7230029310, 7230029304 | BHARATPUR: AFTER BARSO, BEFORE SHAHEED PETROL PUMP, AGRA ROAD, BHARATPUR, T.M. MOTORS: 9772965965, 9772772999.

*नियम एवं शर्तें लागू। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया निकटतम डीलरशिप पर संपर्क करें। **वेरिफाइड कार हिस्ट्री और वारंटी केवल ट्रू वैल्यू प्रमाणित कारों पर लागू। निःशुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। दर्शाई गई छवियाँ केवल प्रतिनिधिक उद्देश्य के लिए हैं। #ऋण राशि ₹1 00 000 मानी गई है। ऋण की अवधि 84 महीने @ ROI 11% वार्षिक ब्याज दर पर ली गई है। डाउन पेमेंट कार के मूल्य के अनुसार भिन्न हो सकती है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है। फाइनेंस पूरी तरह बैंक या वित्तीय संस्था की मंजूरी पर निर्भर है और ग्राहक प्रोफाइल के अनुसार बदल सकता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908